● वर्ष : 17 ● अंक : 184 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

बंगाल में वोटिंग का नया रिकॉर्ड पहले फेज में 90% मतदान

तमिलनाडु के इतिहास में सबसे ज्यादा 82% वोट पड़े

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 89.93% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर रिकॉर्ड 82.24% वोटिंग हुई। दोनों राज्यों के इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। चुनाव आयोग के आंकड़े शाम 5 बजे तक हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। ममता ने वोटिंग के बाद कहा- बंगाल की जनता ने SIR के विरोध में बंपर वोटिंग की है। इससे पहले असम, केरलम और पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91%, पुडुचेरी में 90% और केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा 78.27% वोटिंग हुई थी।

शांतिपूर्ण चुनाव पर उठे सवाल, कई जगहों पर हुई हिंसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान गुरुवार को कई जिलों से हिंसा, झड़प, तोड़फोड़, हमले, बूथों पर तनाव और मतदान मशीनों में खराबी की घटनाएं सामने आईं। राज्य की 16 जिलों की 152 सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ, लेकिन कई संवेदनशील इलाकों में शुरुआत से ही तनावपूर्ण माहौल बना रहा। बिखरी घटनाओं ने चुनाव के शांतिपूर्ण होने के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे गंभीर घटना बीरभूम जिले के लाभपुर विधानसभा क्षेत्र में सामने आई, जहां भ्रामरकोल इलाके में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पोलिंग एजेंट पर हमला किए जाने का आरोप तृणमूल पर लगा। विश्वजीत मंडल नामक कार्यकर्ता के सिर पर गंभीर चोट आई और उनका सिर फट गया। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया और सुरक्षा बलों को तैनात करना पड़ा। मुर्शिदाबाद जिले के नाओदा में सुबह से अब तक कई बार तनाव की स्थिति बनी रही।

प्रधानमंत्री की अपील, रिकॉर्ड मतदान के लिए लोगों से घरों से निकलने का अनुरोध

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण का मतदान गुरुवार सुबह 152 विधानसभा सीटों पर शुरू हो गया। मतदान शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। उन्होंने इसे लोकतंत्र का उत्सव बताते हुए अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान आज हो रहा है। उन्होंने राज्य के नागरिकों से उत्साहपूर्वक मतदान करने की अपील की। साथ ही विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं से बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचने का आग्रह किया। पहले चरण में राज्य के 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान हो रहा है। इनमें दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पश्चिम बर्धमान, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और पूर्व मेदिनीपुर शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में लगभग 2,400 केंद्रीय बल कंपनियां तैनात की हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पूर्व मेदिनीपुर में सर्वाधिक 273 कंपनियां तैनात की गई हैं, जबकि पश्चिम मेदिनीपुर में 271 कंपनियां लगाई गई हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

चुनाव आयोग की तार्किक विसंगति बनाम अतार्तिक विसंगति?

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति के नाम पर 27 लाख, 10 हजार नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। इन नागरिक मतदाताओं को अंतिम समय तक वोट डालने का अधिकार नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 19 न्यायाधिकरण भी बनाए गए। यह भी मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाए। लाखों की संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए। यह सब लोकतांत्रिक, संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकारों के नाम पर किया है। इस प्रक्रिया में इन लाखों मतदाताओं के अधिकार कहां चले गए। इसमें कौन सा तर्क है, और कौन सा वितर्क है? इसका जवाब कोई नहीं दे रहा है। जो ट्रिब्यूनल सुप्रीम कोर्ट आदेश पर बनाए गए थे, उन्हें मतदान के दो दिन पहले तक सुनवाई कर निर्णय देना था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो दिन पहले तक मतदाता सूची को अपडेट करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को दी थी।

याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में भरोसा दिलाया गया था, मतदाताओं के साथ न्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, ट्रिब्यूनल सब जगह मतदाता घूमते रह गए। कहीं से भी न्याय नहीं मिला। लाखों मतदाताओं ने सुनवाई के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन लगाए। 21 अप्रैल तक मात्र 138 लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के पक्ष में जो तर्क सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दिए थे, वह सब हवा-हवाई साबित हुए। 2002 की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम थे, तार्किक विसंगति के नाम पर उनके भी नाम काट दिए गए। इसका क्या तर्क है, यह चुनाव आयोग नहीं बता पा रहा है। इसको देखते हुए यही कहा जा सकता है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के नाम पर पहले 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए। जिनके नाम कटे उसमें सारे गरीब- गुरवे थे, जो कई दिनों तक नाम जुड़वाने के लिए अपनी नौकरी, कारोबार, मजदूरी छोड़कर चक्कर लगाते रह गए।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के नाम पर उन्हें भूखा भी रहना पड़ा। मजदूरी पर नहीं जाने के कारण उनके परिवार के लोगों को खाने-पीने और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। जिस जनता के अधिकारों के लिए चुनाव आयोग, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट व राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है, वह उनके अधिकारों की रक्षा करने में सफल नहीं हो पाए। तार्किक विसंगति के नाम पर सही मतदाता सूची को बनाने के नाम पर लाखों मतदाताओं के नाम जोड़ने की जगह काटे गए है। करोड़ों रुपए इसमें सरकारी खजाने से खर्च किए गए। कई राज्यों के न्यायिक अधिकारियों को चुनाव के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से लगा दिया गया। इसका कोई फायदा ही नहीं हुआ।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

भारत-अफ्रीकी विकास सहयोग स्थानीय प्राथमिकताओं और स्वामित्व पर आधारित : विदेश मंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर गुरुवार को चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन के लोगो, थीम और वेबसाइट लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में अफ्रीकी देशों के राजदूत सम्मिलित हुए थे। इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-अफ्रीका साझेदारी के और मज़बूत होने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह विकास सहयोग अफ्रीकी प्राथमिकताओं और स्थानीय स्वामित्व पर आधारित है। उन्होंने डिजिटल इनोवेशन, फिनटेक और अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं को बदलने वाले उभरते क्षेत्रों में बढ़ते जुड़ाव का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका का संबंध साझा संघर्ष, एकजुटता और आकांक्षाओं पर आधारित है। भारत ने अफ्रीकी संघ को जी20 में शामिल करने का समर्थन किया। यह साझेदारी समानता, सम्मान और साझा प्रगति के सिद्धांतों पर आधारित एक बेहतर वैश्विक व्यवस्था के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आगामी शिखर सम्मेलन दोनों पक्षों की साझेदारी के अगले चरण को आकार देगा। यह अधिक महत्वाकांक्षी, अधिक समावेशी और अधिक भविष्य-उन्मुख होगा। यह हमें सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने, सफल अनुभवों को साझा करने और साझा चुनौतियों पर चर्चा करने में सक्षम बनाएगा। विदेश मंत्री ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस और दूसरे वैश्विक गठबंधनों सहित सस्टेनेबिलिटी से जुड़ी पहलों में मज़बूत सहयोग पर भी ज़ोर दिया।

जिरह के वीडियो वायरल पर हाईकोर्ट नाराज, केजरीवाल, रविश को नोटिस जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की कानूनी उलझनें और बढ़ती नजर आ रही हैं। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच से खारिज होने के बाद अब कोर्ट में जिरह के दौरान बने वीडियो ने विवाद खड़ा कर दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक, पार्टी के अन्य नेताओं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और पत्रकार रवीश कुमार के खिलाफ दाखिल एक जनहित याचिका पर संज्ञान लिया। कोर्ट ने सख्त निर्देश देते हुए सोशल मीडिया से संबंधित सभी वीडियो हटाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने जांच के दायरे को बढ़ाते हुए यह भी सवाल किया है कि आखिर इस वीडियो को सबसे पहले इंटरनेट पर किसने डाला था? हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी में साफ कहा कि इस तरह की रिकॉर्डिंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए तय किए गए नियमों का उल्लंघन है, जिसे सोशल मीडिया पर साझा करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। वकील की याचिका पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल, आप नेताओं, दिग्विजय सिंह और रवीश कुमार को औपचारिक नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस पूरे प्रकरण पर अब अगली सुनवाई 6 जुलाई को तय की गई है। पहले इस मामले को जस्टिस डी के उपाध्याय और जस्टिस कारिया की पीठ के सामने सूचीबद्ध किया था, लेकिन जस्टिस कारिया ने खुद को अलग कर लिया तो दूसरी बेंच के सामने भेज दिया। फेसबुक-इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा और यूट्यूब की पैरेंट कंपनी गूगल के वकीलों ने सुनवाई के दौरान अपना पक्ष रखा।

नहीं बढ़ेंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें, भय और दहशत पैदा करने फैलाई जा रहीं खबरें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। इसे फेक न्यूज बताते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया में कहा- कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। यह स्पष्ट है कि सरकार के सामने ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इस तरह की खबरें भय और दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फैलाई जाती हैं और ये शरारतपूर्ण और भ्रामक हैं। पोस्ट में आखिर में लिखा- भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले चार सालों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है। भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाली तीव्र वृद्धि से बचाने के लिए

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा- ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं

लगातार कदम उठाए हैं। इससे पहले बुधवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा था कि देश में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और लोगों से अपील की है कि पेट्रोल-डीजल या गैस की जल्दबादी में खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। मीडिया रिपोर्ट में सरकार के मुताबिक देश भर में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की मार अब उर्वरकों पर, भारत दोगुनी कीमत देकर खरीद रहा यूरिया

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान युद्ध की मार तेल और गैस ही नहीं उर्वरकों पर भी पड़ रहा है। दुनिया में यूरिया के सबसे बड़े खरीदार भारत को अब दोगुनी कीमत पर उर्वरक खरीदना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने पिछली निविदाओं के मुकाबले करीब 90फीसदी से ज्यादा कीमत पर यूरिया के आयात का फैसला किया है। जून-जुलाई से मानसून की फसलों जैसे चावल, मक्का और सोयाबीन की बुवाई होना है। इन फसलों के लिए यूरिया अनिवार्य है। यदि समय रहते पर्याप्त स्टॉक सुरक्षित नहीं किया गया तो बुवाई के सीजन में खाद की

जून-जुलाई में चावल, मक्का और सोयाबीन की होना है बुवाई, पर्याप्त स्टॉक की जरुरत

किल्लत हो सकती है, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा पर खतरा पैदा हो जाएगा। यही कारण है कि सरकार ने ऊंची कीमतों के बावजूद 25 लाख टन यूरिया की खरीद करने का फैसला किया है। आंकड़ों के मुताबिक युद्ध से पूर्व मध्य पूर्व से भारत को मिलने वाला यूरिया 490 डॉलर प्रति टन के आसपास मिल रहा था, लेकिन मौजूदा वैश्विक तनाव और बढ़ते संघर्ष ने इस कीमत को आग लगा दी है। अब इंडियन पोटाश लिमिटेड पश्चिमी तट पर डिलीवरी के लिए 935 डॉलर और पूर्वी तट के लिए 959 डॉलर प्रति टन की भारी-भरकम कीमत पर डील कर रही है। वैश्विक यूरिया आपूर्ति का करीब 45फीसदी हिस्सा फारस की खाड़ी से होकर गुजरता है। हाल के संघर्षों के कारण होर्मुज से होने वाले व्यापार पर बुरा असर पड़ा है। इसके प्रभावी रूप से बंद होने से सप्लाई चेन टूट गई है। यूरिया बनाने के लिए मुख्य कच्चा माल अमोनिया है, जिसे बनाने के लिए प्राकृतिक गैस की जरूरत होती है। मध्य पूर्व में गैस की सप्लाई बाधित होने से कई क्षेत्रीय उत्पादकों को अपने प्लांट बंद करने पड़े हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि मध्य पूर्व में यह तनाव लंबा खिंचता है तो यूरिया की कीमतों में और इजाफा हो सकता है। फिलहाल भारत सरकार प्रमुख निर्यातकों से सीधे संपर्क के जरिए बातचीत कर रही है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए। हालांकि किसानों को सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के कारण फिलहाल घरेलू बाजार में यूरिया का रेट नहीं बढ़ेगा।

चार देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को सौंपे अपने परिचय पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में लाओ पीडीआर, कांगो, नामीबिया और गिनी बिसाऊ के राजदूतों से उनके परिचय पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार परिचय पत्र प्रस्तुत करने वालों में से लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की राजदूत विथया ज़ायावोंग, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की राजदूत एमिली अयाज़ा मुशोबेकवा, नामीबिया गणराज्य के उच्चायुक्त विंग कमांडर एलेक्स लुन्याज़ो टुकुहुपवेले (सेवानिवृत्त) और गिनी-बिसाऊ गणराज्य के राजदूत एंटोनियो सेरिफो एम्बालो शामिल हैं।

जापान के रक्षा निर्यात नियमों में बदलाव का भारत ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारत ने जापान की ओर से घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध में ढील देने के फैसले का स्वागत किया है। भारत ने इसे रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने वाला कदम बताया। दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में रक्षा सहयोग एक अहम स्तंभ माना जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत, जापान द्वारा रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से जुड़े तीन सिद्धांतों की समीक्षा का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि भारत-जापान संयुक्त सुरक्षा सहयोग घोषणा के तहत दोनों देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक गतिशीलता के हित में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने

के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें सरकारी संस्थाओं और निजी क्षेत्र के बीच तकनीकी और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है, ताकि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लचीलापन सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि जापान ने मंगलवार को घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का समर्थन किया, जो देश की युद्धोत्तर शांतिवादी नीति में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि देश अपने हथियार उद्योग को मजबूत करना चाहता है और रक्षा भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है।

राजनाथ ने दिए संकेत: वैश्विक संघर्षों को सुलझाने भारत निभा सकता है बड़ी भूमिका

एजेंसी। बर्लिन

पहली बार जर्मनी के दौरे पर गए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में भारत कब और क्या भूमिका निभाएगा, इस सवाल के जवाब में अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने हमेशा संतुलित और समझदारी भरी विदेश नीति अपना रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में भारत वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है, इसमें पश्चिम एशिया का संकट भी शामिल है। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की दिशा में

काम किए हैं, लेकिन हर चीज का एक सही समय होता है। उन्होंने कहा कि हो सकता है आने वाले समय में भारत इस दिशा में अहम भूमिका निभाए और सफल भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों से युद्ध खत्म करने की अपील की है और उनका रुख हमेशा संतुलित रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी कई देशों के नेताओं से सीधे बातचीत की है। उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, तब भी शांति और समाधान पर चर्चा की गई। रक्षा मंत्री ने वैश्विक राजनीति में भारत की स्थिति को मजबूत बताकर कहा कि भारत का रुख किसी एक पक्ष के खिलाफ नहीं है। इसकारण है कि न अमेरिका भारत को दुश्मन मानता है और न ही ईरान भारत के खिलाफ है। इसके साथ ही उन्होंने भारत की कूटनीति की सराहना कर कहा कि इस संतुलित नीति की वजह से भारत के जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर पाए, जबकि तब कई देशों के जहाजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

होर्मुज जलडमरूमध्य से एलपीजी का आयात प्रभावित, देश में हालात सामान्य: केंद्र

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले तेल और एलपीजी का आयात प्रभावित हुआ है लेकिन भारत सरकार का प्रयास है कि देश के लोगों को न्यूनतम परेशानी का सामना करना पड़े। देश में ऊर्जा आपूर्ति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मंत्रालय समन्वित प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है, विदेश मंत्रालय ने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया और पोर्ट्स एवं शिपिंग मंत्रालय ने कहा कि सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में रोजाना पत्रकार वार्ता में गुरुवार को कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य से

तेल और एलपीजी आयात प्रभावित है लेकिन भारत सरकार का प्रयास है कि आम लोगों को न्यूनतम परेशानी हो। उनके मुताबिक बुधवार को 52 लाख से अधिक घरों को एलपीजी की सप्लाई की गई है। सिलेंडरों की बुकिंग अब 44-45 लाख रोजाना हो रही है। उन्होंने बताया कि 94 प्रतिशत सिलेंडरों की डिलीवरी अथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के साथ की जा रही है, जिससे डायवर्जन रोकने में मदद मिल रही है। कमर्शियल एलपीजी की बिक्री अप्रैल की शुरुआत से अब तक 1.40 लाख टन रही है। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (गल्फ) असीम आर महाजन ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए विशेष नियंत्रण कक्ष संचालित है और मिशन 24x7 हेल्पलाइन चला रहे हैं। अब तक 12 लाख से अधिक यात्री 28 फरवरी से भारत लौट चुके हैं। यूएई, सऊदी अरब, ओमान और बहरीन से अतिरिक्त उड़ानें चलाई जा रही हैं। कुछ हवाई मार्ग बंद होने के बावजूद वैकल्पिक रास्ते ईरान, आर्मेनिया और अज़रबैजान के जरिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के संयुक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। महानिदेशालय शिपिंग के माध्यम से अब तक 2,680 भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी कराई गई है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 65 नाविक शामिल हैं।

देश के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में, कई शहरो में पारा 40 के पार

नई दिल्ली। देश के कई राज्य इस समय भीषण गर्मी की चपेट में हैं। यूपी से लेकर मध्यप्रदेश तक कई शहरों में तापमान 40 के पार है। इस बीच मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए राहत की खबर दी है। मौसम विभाग के मुताबिक अप्रैल का आखिरी सप्ताह आते-आते मौसम का मिजाज बदलने वाला है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जो उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक असर दिखाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में आंधी-तूफान, तेज हवाएं और बारिश कई राज्यों में हो सकती है। हवा की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। यही वजह है कि 13 राज्यों में मौसम पलटने का अलर्ट जारी किया है। कहीं लू चलेगी तो कहीं ओलावृष्टि होगी। कहीं आसमान साफ रहेगा तो कहीं अचानक बादल छा जाएंगे। इस बदलते मौसम के पीछे कई वेदर सिस्टम एक साथ काम कर रहे हैं। फिलहाल देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तापमान 40 डिग्री के पार हो चुका है, लेकिन राहत की उम्मीद भी साथ-साथ बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 36 घंटों में पहाड़ी क्षेत्रों पर असर दिखेगा और धीरे-धीरे इसका प्रभाव मैदानी इलाकों तक पहुंचेगा।कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास ख़बर

ईंधन और खाद्य सुरक्षा के मामले में मोदी सरकार विफल : कांग्रेस अध्यक्ष

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर ईंधन और खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर विफलताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपनी नाकामियों और गंभीर आरोपों से ध्यान हटाने के लिए सीमांकन (डिलिमिटेशन) का सहारा लिया लेकिन देश ने इस दिखावे को समझ लिया। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि भारत का कच्चे तेल का उत्पादन लगातार 11वें वर्ष गिरावट पर है और 2014-15 से अब तक कुल उत्पादन में लगभग 22 प्रतिशत की कमी आई है। गैस उत्पादन में भी लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एलपीजी कनेक्शन बंद कर दिए गए हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए लंबी प्रतीक्षा और कालाबाज़ारी का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि ईंधन संकट के साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय जहाजों को होरमुज़ जलडमरूमध्य में सुरक्षित मार्ग नहीं मिल रहा है और 14 भारतीय ध्वज वाले जहाज 54 दिनों से वहीं फंसे हुए हैं। खरगे ने कहा कि मार्च 2026 में खाद उत्पादन पांच साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है और इसमें 24.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। चीन ने जुलाई 2025 में विशेष खादों पर प्रतिबंध लगाया था और रूस ने भी निर्यात रोक दिया है लेकिन मोदी सरकार ने आयात विविधीकरण की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों को लगातार खाद की कमी का सामना करना पड़ रहा है और यह सरकार की उदासीनता का परिणाम है।

महिला कांग्रेस का पोस्टकार्ड अभियान, महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तत्काल लागू करने की मांग

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। महिला कांग्रेस ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को तुरंत लागू करने की मांग को लेकर यहां गोल डाकखाने पर पोस्टकार्ड अभियान चलाया। इस दौरान महिला प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हस्ताक्षर अभियान चलाया। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय महिला कांग्रेस (एआईएमसी) ने बुधवार को लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों के आधार पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर देशव्यापी "पोस्टकार्ड अभियान" की घोषणा की थी।एआईएमसी प्रमुख अलका लांबा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि इस अभियान का उद्देश्य 10 लाख महिलाओं को जोड़कर प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड भेजना है। इन पोस्टकार्डों में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को तत्काल लागू करने की मांग की जाएगी।

निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने के दबावों की शिकायतों पर राज्यों को एनएचआरसी का नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। निजी स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों पर निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने के दबावों की देशभर से मिल रही शिकायतों के मद्देनजर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। यह कार्यवाई नमो फाउंडेशन की तरफ से की गई शिकायत के आधार पर की गई है।आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने गुरुवार को बताया कि राज्य सरकारों को राष्ट्रीय स्कूल बैग नीति तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 29 के अनुपालन में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने एससीईआरटी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की संख्या तथा निजी एवं सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात संबंधी आंकड़े भी मांगे गए हैं। आयोग ने यह पूछा है कि जब सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को एससीईआरटी एवं एनसीईआरटी की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं तो निजी स्कूलों में शुल्क के आधार पर इसी व्यवस्था को लागू करने में क्या बाधा है। आयोग के अनुसार, स्कूलों के निजी अथवा सरकारी प्रबंधन के आधार पर पाठ्य-पुस्तकों एवं पाठ्यक्रम में अंतर करना अकादमिक भेदभाव की श्रेणी में आता है। शिक्षा मंत्रालय को भी नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है कि कक्षा 8 तक परीक्षा बोर्डों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम, नामित अकादमिक प्राधिकरण से भिन्न क्यों है।

मुख्यमंत्री ने प्रवेश वाही को महापौर का उम्मीदवार बनाने पर दी बधाई

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जरिए नगर निगम में महापौर एवं उप-महापौर चुनाव के लिए प्रवेश वाही और मोनिका पंत को उम्मीदवार घोषित किए जाने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भाजपा के विजन और अंत्योदय के मंत्र को आत्मसात करते हुए आप दोनों के अनुभव और कर्मठता से दिल्ली के विकास को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सभी के प्रयासों से निगम प्रशासन दिल्लीवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करने में सफल सिद्ध होगा। इसके साथ ही भाजपा ने जय भगवान यादव को स्थायी समिति के सदस्य और सदन के नेता पद के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। मनीष चड्ढा को स्थायी समिति की सदस्यता के लिए नामित किया गया है।

भारत-ब्रिटेन वार्षिक रणनीतिक संवाद में रक्षा एवं रणनीतिक सहयोग पर चर्चा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच 'वार्षिक रणनीतिक संवाद' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन पॉवेल की मेजबानी की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि यहां गुरुवार को हुई इस बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझीदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसमें रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग को गहराने के उपायों पर चर्चा की। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उभर रही सुरक्षा चुनौतियों पर भी विचार साझा किए गए।

मुख्यमंत्री ने अरुणा आसफ अली अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, सुविधाओं को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को अरुणा आसफ अली अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र, स्वच्छता व्यवस्था, जल आपूर्ति, डिजिटल सेवाओं और अन्य संबंधित विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने उपचार के लिए मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर अस्पताल की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। मरीजों और उनके परिजनों की शिकायत पर तुरंत एक्शन लेते हुए ने अस्पताल के अधिकारियों को सभी सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। संवाद के दौरान कुछ बुजुर्ग मरीजों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सुबह 8 बजे से लंबी कतार में खड़े हैं और अब तक उनकी बारी भी नहीं आई। मुख्यमंत्री ने इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रशासन को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह पूरी तरह अस्वीकार्य है कि बीमार और बुजुर्ग मरीजों को घंटों खड़ा रहना पड़े। अस्पताल में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था और सुचारू टोकन प्रणाली तुरंत लागू की जाए।निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों की उपलब्धता, ओपीडी में मरीजों की भीड़, ऑनलाइन अपॉइंटमेंट सिस्टम और टोकन व्यवस्था में खामियां पाए जाने को लेकर भी अस्पताल प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई।मुख्यमंत्री ने पाया कि ऑनलाइन अपॉइंटमेंट सिस्टम होने के बावजूद मरीजों को लंबी कतारों से राहत नहीं मिल रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रणालियों को इस तरह एकीकृत किया जाए कि मरीजों का प्रतीक्षा समय न्यूनतम हो। ऑर्थोपेडिक विभाग में भारी भीड़ को देख मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से उनकी कार्यप्रणाली पर चर्चा की और गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने को कहा।संवाद के दौरान कई मरीजों ने अस्पताल में दवाओं की अनुपलब्धता और बाहर से दवा खरीदने की मजबूरी की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही स्टॉक रजिस्टर की जांच के निर्देश दिए और कहा कि दवाइयों और वैक्सीन की उपलब्धता में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाए। जिस दवा की जरूरत आज है, वह आज ही मिलनी चाहिए। जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान करना गंभीर लापरवाही है। निरीक्षण के दौरान वैक्सीनेशन यूनिट में रोजाना बड़ी संख्या में मरीजों को रेबीज और अन्य इंजेक्शन दिए जाने की जानकारी मिली। मुख्यमंत्री ने दवाइयों और वैक्सीन की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मौजूद मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल में स्वच्छता, जल आपूर्ति और अन्य सुविधाओं के संबंध में भी फीडबैक दिया। कई मरीजों द्वारा स्वच्छता में कमी और शौचालय व पानी की समस्याओं की जानकारी दिए जाने पर मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जब मरीज और स्टाफ खुद समस्याएं बता रहे हैं तो इन्हें अनदेखा करना गंभीर लापरवाही है। अस्पताल में स्वच्छता, दवाइयों और मूलभूत सुविधाओं की कमी किसी भी हालत में स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए कड़े प्रशासनिक सुधारों के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में अनुशासन और जवाबदेही सर्वोपरि है। इसके लिए डॉक्टरों और स्टाफ की नियमितता सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की गई है और पारदर्शिता के लिए हर कर्मचारी को ड्यूटी के दौरान नेम प्लेट पहनना अनिवार्य होगा। साथ ही उन्होंने अस्पताल में बढ़ते हेपेटाइटिस के मामलों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की और इसके कारणों की जांच एवं रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने के लिए डॉक्टरों से राय ली और उचित दिशा निर्देश दिए।

"पिट्ट सियापा" नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में छाया फिल्म का अनोखा कॉन्सेप्ट

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: पंजाबी सिनेमा में एक बार फिर कुछ हटकर देखने को मिलने वाला है। आगामी कॉमेडी फिल्म "पिट्ट सियापा" का टीज़र रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। इसी कड़ी में फिल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस राजधानी के प्रतिष्ठित होटल द ललित नई दिल्लीमें आयोजित की गई, जहां मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों की खास मौजूदगी रही। प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिल्म की स्टार कास्ट सोनम बाजवा और परमवीर सिंह चीमाने हिस्सा लिया और फिल्म से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। सोनम बाजवा ने बताया कि फिल्म की कहानी बेहद अलग और दिलचस्प है, जो दर्शकों को हंसी के साथ-साथ इमोशन और ड्रामा का भी पूरा डोज़ देगी क्योंकि जल्दी ही गर्मी की छुट्टी है होने वाली है और गर्मी छुट्टी में एक ऐसी कॉमेडी फिल्म आनी जरूरी है जिसे पूरे परिवार के साथ बैठकर देखा जा सके। "पिट्ट सियापा" पूरे परिवार के साथ देखने वाली कॉमेडी फिल्म है। वैसे भी मुझे कॉमेडी करना बहुत पसंद है। परमवीर सिंह चीमाने बताया कि सोनम बाजवा पंजाब की सुपरस्टार और उनके साथ मेरी फिल्म आ रही है इससे बड़ी बात क्या हो सकती है सोनम की एक्टिंग का मैं हमेशा से प्रशंसक रहा हूं मेरा सौभाग्य है की मेरी पहली पंजाबी फिल्म सोनम बाजवा के साथ आ रही है। फिल्म का टीज़र रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा में है। "पिट्ट सियापा" की कहानी एक अनोखे कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जहां फ्यूनरल बिज़नेस से शुरू होकर कहानी लव स्टोरी, कन्फ्यूजन और अनएक्सपेक्टेड ट्विस्ट्स तक पहुंचती है। यही अलग अंदाज़ इसे बाकी फिल्मों से खास बनाता है। फिल्म के निर्माता पंकज गुप्ता, संदीप वासवानी, सूर्या गुप्ता, योगेश राहर और केवल गर्ग ने भी फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म कॉमेडी, इमोशन और ड्रामा का परफेक्ट मिश्रण है, जो हर वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगा। "पिट्ट सियापा" एक हल्की-फुल्की लेकिन अलग कहानी वाली फिल्म है, जिसमें पंजाबी हास्य का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। खास बात यह भी है कि सोनम बाजवा इस फिल्म में एक बिल्कुल नए और अनदेखे किरदार में नजर आएंगी। यह फिल्म मूवी टनल प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित है। अब देखना दिलचस्प होगा कि अपने अनोखे कॉन्सेप्ट और दमदार कॉमेडी के साथ "पिट्ट सियापा" बॉक्स ऑफिस पर कितना धमाल मचाती है।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीटः जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्राम-2026 का आयोजन, दिल्ली में हुआ इन्वेस्टर मीट

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत किसानों, कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक मंच पर लाकर कृषि प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों की मजबूती पर बल दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' के विजन को धरातल पर साकार करने के लिए यह सम्मेलन अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों एवं उद्यमियों को ग्राम-2026 में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'ग्राम' के तहत गिरदावर सर्किल, उपखण्ड, जिला सहित प्रत्येक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि राजस्थान कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के उत्पादन में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। इस विविधता से फूड प्रोसेसिंग, स्पाइस पार्क और एग्री-एक्सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में उद्यमियों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उद्यमियों को निवेश अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर कृषि क्षेत्र में करीब 44 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए, जिनमें से 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है। ग्राम-2026 इसी निवेश यात्रा को और आगे ले जाने का मंच है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार पश्चिम क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। दलहन उत्पादन के मामले में झालावाड़ व टोंक जिलों को मॉडल जिलों के तौर पर विकसित किया जा रहा है। वहीं, केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में 3 लाख क्विंटल से अधिक बीज वितरण के लिए किसानों को अनुदान दिया जाएगा।

स्वास्थ्य योजनाओं को लेकर स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों के साथ की समीक्षा बैठक

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने गुरुवार को राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रमुख प्राथमिकताओं एवं योजनाओं पर समीक्षा बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई प्रगति बैठक में स्वास्थ्य सचिव ने प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने और टीबी मुक्त भारत तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों पर प्रगति में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन(पीएम-अभिम) के तहत स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करना, चिकित्सा एवं नर्सिंग शिक्षा क्षमता का विस्तार करने पर जोर दिया। इसके साथ आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन(एबीडीएम) और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) योजनाओं में चल रही प्रगति की भी समीक्षा की। यह दोनों योजनाएं देश में डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों को उन्नत बनाने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि सुरक्षा अनुपालन सुनिश्चित करती है। राज्यों को इन सभी योजनाओं में तेजी से प्रगति लाने के भी निर्देश दिए।

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने पहलगाम हमले की बरसी पर आयोजित की प्रदर्शनी

लोकतंत्र की शान

वाशिंगटन डी.सी.। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर वाशिंगटन डीसी में 'आतंकवाद की मानवीय कीमत' नामक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की। भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने इसका उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में भारत-विरोधी सीमा पार आतंकवाद, विशेषकर पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूहों द्वारा निर्दोष नागरिकों की हत्याओं के विनाशकारी प्रभाव को उजागर किया गया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 26 पीड़ितों को श्रद्धांजलि देना और आंतकिस्तान (पाकिस्तान) स्थित समूहों की भूमिका को रेखांकित करना था। इसमें अमेरिकी कांग्रेस के लगभग 19 सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों और प्रवासी नेताओं ने भाग लेकर भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी साझेदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस डिजिटल प्रदर्शनी में विश्व भर में हुए प्रमुख आतंकवादी हमलों को भी प्रदर्शित किया गया, जिनमें 1993 के मुंबई बम विस्फोट, 2008 के मुंबई आतंकी हमले शामिल रहे। इसमें हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादी संगठनों की पहचान भी बताई गई, जिनमें पाकिस्तान के कई व्यक्ति और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठन शामिल हैं। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कार्यक्रम की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा आज कैपिटल हिल पर 'द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म' शीर्षक से एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। यह प्रदर्शनी पहलगाम आतंकी हमले की दुखद बरसी के अवसर पर आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य इस हमले के निर्दोष पीड़ितों की स्मृति को सम्मान देना था। दूतावास ने कहा हम संयुक्त राज्य अमेरिका की कांग्रेस के 19 सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों, प्रवासी समुदाय के नेताओं और अन्य अमेरिकी भागीदारों की उपस्थिति के लिए उनके प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उनकी भागीदारी ने भारत-अमेरिका आतंकवाद-रोधी साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ करने

तथा आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई में एकजुट होकर खड़े रहने के हमारे साझा संकल्प को रेखांकित किया है।इस दौरान भारतीय राजदूत क्वात्रा ने आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद से निपटने और उसे हराने के लिए भारत के अटूट संकल्प को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है। उन्होंने कहा दुनिया भर के देशों को एकजुट होकर आतंकवाद को हराने के लिए दृढ़ संकल्पित होना होगा। इस अवसर पर अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन ने लश्कर-ए-तैयबा और

जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों पर पाकिस्तान की ओर से नकेल कसने की मांग की। उन्होंने कहा द रेजिस्टेंस फोर्स के हमलावरों ने निर्दोष लोगों को निशाना बनाया और कथित तौर पर पीड़ितों को धर्म के आधार पर अलग किया। इस समूह को व्यापक रूप से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ माना जाता है, जिसे पाकिस्तान में पनाह मिली हुई है।

एआई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और जापान

लोकतंत्र की शान

मुंबई। भारत और जापान ने मुंबई में अपनी पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रणनीतिक वार्ता आयोजित की, जो एक दीर्घकालिक तकनीकी साझेदारी में नीति, प्रतिभा एवं उद्योग को एक साथ लाने के लिए एक मजबूत प्रयास का संकेत है। बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (साइबर कूटनीति) अमित ए. शुक्ला और जापान के विदेश मंत्रालय में साइबर सुरक्षा के उप सहायक मंत्री हनादा ताकाहिरो ने की। इस दौरान दोनों पक्षों ने पूरे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टैक में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की, जिसमें सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और औद्योगिक अनुप्रयोग शामिल हैं। दोनों देशों ने एआई के क्षेत्र में अगले दशक के दौरान आने वाली चुनौतियों और अवसरों का मिलकर सामना करने, अपने-अपने घरेलू लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक-दूसरे की मदद करने और अगली पीढ़ी को एक-दूसरे के और करीब लाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। विदेश मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा दोनों पक्षों ने पूरे एआई स्टैक में रणनीतिक सहयोग पर गहन चर्चा की। इसका उद्देश्य सह-निर्माण को बढ़ावा देना, नीतियों में तालमेल बढ़ाना और औद्योगिक क्षेत्रों में एआई समाधानों के विकास को प्रोत्साहित करना था, ताकि एक मजबूत, इनोवेटिव और भरोसेमंद एआई इकोसिस्टम तैयार किया जा सके। इस संवाद में एआई प्रतिभाओं की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही को मजबूत करने और आदान-प्रदान व सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से संयुक्त अनुसंधान का विस्तार करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने एआई प्रशासन, नीति निर्माण और बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी चर्चा की। यह एआई रणनीतिक संवाद 'भारत-जापान एआई सहयोग पहल' को आगे बढ़ाता है। इस पहल की घोषणा भारत और जापान के प्रधानमंत्री ने अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान की थी। इस क्षेत्र में सहयोग 'अगले दशक के लिए भारत-जापान संयुक्त दृष्टिकोण' का एक केंद्रीय स्तंभ है। बैठक के अंत में दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि एआई रणनीतिक संवाद का अगला संस्करण जापान में आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नजीबाबाद पहुंचे शाहनवाज राणा से नगर के गढ़ माननीय लोगो ने मुलाक़ात की

लोकतंत्र की शान , खिज़र अहमद ,नजीबाबाद में आज सियासी हलचल देखने को मिली, जहां वरिष्ठ नेता शाहनवाज राणा के पहुंचने पर नगर के गणमान्य लोगों ने उनसे मुलाक़ात की। इस दौरान शहर के प्रमुख लोगों ने शाहनवाज राणा का स्वागत किया और क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने और आने वाले समय में कार्यकर्ताओं को और सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया गया। शाहनवाज राणा ने भी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से अपील की कि वे एकजुट होकर पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करें और जनता के बीच अपनी पकड़ बढ़ाएं। मुलाक़ात के बाद सभी नेताओं ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया और आने वाले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने पर

लोकतंत्र की शान ,सैय्यद कुमैल ज़ैदी , सम्भल नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पति चौधरी मुशीर अली खान ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को दिली मुबारकबाद पेश की है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह शानदार परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और मजबूत जज़्बे का नतीजा है। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों ने सफलता हासिल की है, वे इसी तरह आगे बढ़ते रहें और अपने परिवार व समाज का नाम रोशन करें। चौधरी मुशीर अली खान ने उन छात्र-छात्राओं का भी हौसला बढ़ाया, जिनके परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं आए। उन्होंने कहा कि मायूस होने की जरूरत नहीं है, बल्कि सब्र और लगातार कोशिश ही कामयाबी की असली कुंजी है। असफलता इंसान को और मजबूत बनाती है और आगे बढ़ने का हौसला देती है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा ही तरक्की का सबसे मजबूत जरिया है और युवाओं को चाहिए कि वे अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए आगे बढ़ें। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ करते हुए कहा कि अल्लाह तआला आप सभी को कामयाबी की नई बुलंदियों तक पहुंचाए। आमीन।

सुरभि रस्तोगी व नन्हे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बांधा समां, 1100 देकर किया गया सम्मानित

लोकतंत्र की शान ,मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन के कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान सुरभि रस्तोगी एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा एवं राष्ट्रीय संरक्षक लोकेश अग्रवाल ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें 1100 की धनराशि देकर सम्मानित किया। दोनों पदाधिकारियों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं और बच्चों को मंच देने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजन में समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे और सभी ने बच्चों की प्रस्तुति की प्रशंसा की। कार्यक्रम में यह संदेश भी दिया गया कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा, संस्कृति और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

मारपीट एवं गंभीर अपराध के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः गुरुवार को हसनपुर कोतवाली पुलिस द्वारा एक बड़ी सफलता हासिल हुई पुलिस टीम ने मारपीट वह गंभीर अपराध के 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर हसनपुर उप जिला अधिकारी के न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें अग्रिम कार्रवाई हेतु भेज दिया गया, बता दें कि यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में की गई, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अमरीश, परम सिंह, राजवती, ललित, उस्मान, शौकत, शोएब, अफजल, हरिश्चंद्र व हरबंस शामिल है, इन सभी आरोपियों पर अलग-अलग क्षेत्र में गंभीर अपराध के आरोप लगे हैं, तथा वही हसनपुर नगरपालिका सभासद से मारपीट करने के आरोपी सभासद जाहिद अली को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से सभी आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई गई 1

न्यायालय सुरक्षा में तैनात संविदा कर्मी ने डीजल पीकर किया आत्मदाह का प्रयास, मचा हड़कंप

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। न्यायालय सुरक्षा में तैनात सी-पवित्र के अंतर्गत कार्यरत एक संविदा कर्मी द्वारा डीजल पीकर आत्मदाह करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। घटना दिनांक 23 अप्रैल 2026 को दोपहर 12:50 बजे न्यायालय परिसर के गेट नंबर 01 पर हुई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, इससे पूर्व दिनांक 21 अप्रैल 2026 को न्यायालय सुरक्षा ड्यूटी के दौरान किसी विवाद की स्थिति बनी थी, जिसे संबंधित कप्तान साहब द्वारा लाइन हाजिर कर दिया गया था। इसके बाद निलंबन की कार्रवाई का दबाव बनाए जाने की बात सामने आई, जिससे मानसिक तनाव में आकर कर्मी ने यह कदम उठाने की कोशिश की। घटना में शामिल कर्मी की पहचान ऑपरेटर सचिन के रूप में हुई है, जो ग्राम सिकरोल, थाना पटवाई का मूल निवासी बताया गया है। वर्तमान में वह मोहल्ला लक्ष्मी नगर, थाना सिविल लाइन क्षेत्र में अपने निजी मकान में रह रहा है। बताया गया कि वह लगभग दो वर्षों से संविदा कर्मी के रूप में तैनात था। जैसे ही सचिन द्वारा डीजल पीकर आत्मदाह का प्रयास किया गया, मौके पर मौजूद कर्मचारियों व सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उसे रोक लिया और मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। घटना के बाद न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। मामले की जांच व आगे की कार्रवाई संबंधित विभाग द्वारा की जा रही है।

नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती : मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती है। करने की दृढ़ इच्छाशक्ति हो और नीयत भी उसी के अनुरूप हो तो परिस्थितियां बदलती हुई दिखाई देती हैं। गोरखपुर में नौ वर्षों के अंदर आया विकासपरक परिवर्तन इसका प्रमाण है। सीएम योगी गुरुवार पूर्वाह्न राप्ती नदी के एकला बंधा पर लिगेसी वेस्ट का निस्तारण कर बनाए गए ईको पार्क, नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क सहित विकास की 1055 करोड़ रुपये की लागत वाली 497 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता टूलकिट और कैलेंडर का अनावरण कर स्वच्छ स्कूल अभियान का भी शुभारंभ किया। एकला बंधे पर आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अच्छा करने की इच्छाशक्ति हो तो बहुत कुछ परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने एकला बंधा पर ईको पार्क के रूप में हुए नए कायाकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी या लखनऊ की तरफ से गोरखपुर प्रवेश करते ही सबसे पहला मुकाबला कचरे से होता था। बहुत भद्दा और बहुत बुरा लगता था। पर, करने की इच्छाशक्ति से धीरे-धीरे परिवर्तन होता गया। उन्होंने कहा कि आज से 30-35 वर्ष पहले, आज जहां ट्रांसपोर्टनगर बना है, पहले गोरखपुर का सारा कचरा वही डंप होता था। नगर निगम ने उसका समाधान किया तो आज वहां ट्रांसपोर्टनगर है, बेहतरीन मार्केट और गोरखपुर की मंडी है। ट्रांसपोर्टनगर बन जाने के बाद कचरा एकला बंधा पर गिराया जाने लगा। इसका परिणाम हुआ, वायु प्रदूषण, जमीन में जहर, नदी प्रदूषण और भूजल स्तर पर भी प्रभाव। इसके चलते एनजीटी भी जुर्माना लगाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीयत से नियति को बदला गया और बेहतरीन ईको पार्क तैयार हो गया।

50 परिवार को रोजगार की और बढ़ावा खुर्शीद मंसूरी

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

साहनपुर। नगर पंचायत साहनपुर के चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी की ओर से गरीब एवं जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 50 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। इस पहल को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रिटायर्ड जज आदिल अहमद उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की निज़ामत मुफ्ती ओसामा ने की। इस अवसर पर अतिथियों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और इस प्रकार के सामाजिक कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में सरफराज अंसारी, डॉ इस्लाम, शेख शमीम, शेख नदीम, नौशाद सरवरी, जाफर, नदीम सलमानी, एडवोकेट आकिब, नवाब मेंबर, लईक मेंबर, अवेस मंसूरी, तस्लीम अहमद, जाकिर शेख, रागिब मिर्ज़ा, अमिल, मुजफ्फर हुसैन, मुस्तकीम मेंबर, सय्यद इरशाद, अराफ, अजमल मेंबर, कासिम मेंबर, आदिल अब्बासी, सरफराज मंसूरी, डॉ इकबाल, फहीम अहमद, फुरकान, भूरा कुल्फी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।अतिथियों ने चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहने चाहिए, जिससे समाज में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

रामपुर भारतीय किसान यूनियन (टिकट गुट) के प्रदेश महासचिव हसीब अहमद हज यात्रा के लिए रवाना, शुभचिंतकों ने दी बधाइयां

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। भारतीय किसान यूनियन (टिकट गुट) के प्रदेश महासचिव श्री हसीब अहमद पुत्र हबीब अहमद, निवासी बरेली गेट थाना सिविल लाइन, इन दिनों अपने धार्मिक यात्रा कार्यक्रम को लेकर चर्चा में हैं। जानकारी के अनुसार हसीब अहमद अपनी धर्मपत्नी के साथ पवित्र हज यात्रा के लिए रवाना हो रहे हैं। हज यात्रा इस्लाम धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र यात्रा मानी जाती है, जिसे जीवन में एक बार करना हर मुस्लिम की बड़ी इच्छा होती है। ऐसे में हसीब अहमद का हज पर जाना उनके परिवार और क्षेत्रवासियों के लिए भी गर्व और खुशी का विषय बना हुआ है। जैसे ही यह जानकारी समाज में फैली, वैसे ही आम जनता, रिश्तेदार, मित्रगण एवं किसान यूनियन से जुड़े पदाधिकारी उनके आवास पर पहुंचने लगे। लोगों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर, मिठाई खिलाकर और दुआएं देकर हज यात्रा के लिए रवाना किया। शुभचिंतकों ने कहा कि हसीब अहमद हमेशा समाज सेवा और किसान हितों के लिए सक्रिय रहे हैं, ऐसे में उनकी यह धार्मिक यात्रा सभी के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि हज यात्रा से लौटकर वे समाज में भाईचारा, शांति और सेवा भावना को और अधिक मजबूत करेंगे। वहीं हसीब अहमद ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की सबसे बड़ी आध्यात्मिक उपलब्धि है और वे सभी की दुआओं को अपने साथ लेकर जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे हज के दौरान देश-प्रदेश की तरक्की, किसानों की खुशहाली, समाज में शांति और भाईचारे के लिए विशेष दुआ करेंगे। इस मौके पर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और लोगों ने उन्हें सफल यात्रा एवं सलामती के साथ वापसी की शुभकामनाएं दीं।

विशेष टीम गठित कर हो जमीनी विवादों का निस्तारण : मुख्यमंत्री

» किसी की भी जमीन पर न होने पाए दबंगों का कब्जा : सीएम योगी
» जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जमीन से जुड़े विवादों का निस्तारण विशेष टीम गठित करके किया जाए। जमीन का मालिकाना हक उसके वास्तविक स्वामी के पास ही होना चाहिए। किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि दबंगों ने कब्जा किया है तो जमीन को कब्जामुक्त कराने के साथ दोषियों को कानूनी सबक सिखाया जाए। किसी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले बख्शे न जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में भूमि विवाद के मामलों में उन्होंने अफसरों से कहा कि विशेष टीम लगाकर ऐसे मामलों को शीघ्रता से निस्तारित किया जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

सिरसी वार्ड नं. 7 में चेयरमैन कौसर अब्बास का दमदार दौरा, जनता ने मोहब्बत से नवाज़ा

» खराब सड़कों का निरीक्षण, समस्याओं के समाधान हेतु सख्त निर्देश सभासदों की मौजूदगी में विकास पर जोर

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी। नगर पंचायत सिरसी के वार्ड नं. 7 में आज का दिन विकास और जनसंपर्क के लिहाज़ से बेहद अहम रहा, जब चेयरमैन जनाब कौसर अब्बास ने क्षेत्र का व्यापक दौरा कर जमीनी हकीकत का जायज़ा लिया। उनके इस दौरे ने न सिर्फ प्रशासनिक सक्रियता को दर्शाया, बल्कि जनता के बीच उनके बढ़ते विश्वास और लोकप्रियता को भी साफ तौर पर उजागर कर दिया। चेयरमैन ने वार्ड की विभिन्न गलियों और मुख्य मार्गों का निरीक्षण किया, जहां कई स्थानों पर सड़कें जर्जर हालत में पाई गईं। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही कड़े निर्देश देते हुए कहा कि मरम्मत और निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनता को बेहतर बुनियादी सुविधाएं देना उनकी पहली जिम्मेदारी है और इसमें कोई समझौता नहीं होगा। दौरे के दौरान वार्ड नं. 7 के लोगों ने चेयरमैन कौसर अब्बास को मोहब्बत से नवाज़ा। जगह-जगह लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, बुजुर्गों ने दुआओं से नवाज़ा तो युवाओं ने उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का भरोसा जताया। यह नज़ारा अपने आप में चेयरमैन के प्रति जनता के विश्वास और अपनत्व की मिसाल बन गया। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान वार्ड नं. 7 के सभी सभासद भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को विस्तार से चेयरमैन के सामने रखा और विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग की। चेयरमैन ने सभी सभासदों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि हर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। चेयरमैन कौसर अब्बास ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ विकास कार्यों का निरीक्षण करना नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और तुरंत समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत सिरसी को एक आदर्श और विकसित क्षेत्र बनाना उनका सपना है, जिसके लिए वे दिन-रात प्रयासरत हैं। वार्ड नं. 7 में चेयरमैन कौसर अब्बास का यह दौरा विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और जनता के साथ उनके मजबूत रिश्ते को दर्शाता है। जनता की मोहब्बत, सभासदों का सहयोग और प्रशासनिक सक्रियता ये तीनों मिलकर सिरसी में विकास की नई कहानी लिख रहे हैं, जो आने वाले समय में एक मिसाल बनेगी।

गंगा सप्तमी पर हुआ मां गंगा का विशेष श्रृंगार एवं आरती

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को गंगा सप्तमी के पावन पर्व पर मां गंगा जी की भव्य आरती की गई तथा माता का विशेष श्रृंगार भी किया गया, बता दें कि गुरुवार को नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर परिसर में स्थापित मां गंगा जी की भव्य प्रतिमा का श्री गंगा सेवा समिति हसनपुर के पदाधिकारीयो द्वारा मां गंगा का विशेष श्रृंगार किया गया एवं सभी ने मां गंगा की विशेष आरती उतारी तथा इसके पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया, इस संबंध में श्री गंगा सेवा समिति हसनपुर के अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने बताया कि मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण के उपलक्ष में गंगा सप्तमी या गंगा जयंती मनाई जाती है, उन्होंने बताया कि मान्यता है कि देवताओं के अनुरोध पर इसी सप्तमी तिथि को गंगा जी का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था, इस मौके पर मुख्य रूप से श्री गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल, महामंत्री विशाल दीप गुप्ता, मोहित अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, मुनमुन अग्रवाल, काशीनाथ, अनीता अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, देवांश अग्रवाल, अमित गुप्ता, गोविंद शर्मा, प्रमोद अग्रवाल, पंडित सतवीर गिरी, पप्पू गिरी, महेश शर्मा, दामोदर शर्मा, उमेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा, संजीव शर्मा एवं शिवाला प्रबंध कमेटी के लोग विशेष रूप से मौजूद रहे 1

महिलाओं की शिक्षा और नगीना को जिला बनाने पर मंथन, पूर्व चेयरमैन मुअज़्ज़म ख़ाँ से शिष्टाचार भेंट मनोज कुमार जज

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर के पूर्व चेयरमैन जनाब एडवोकेट मुअज़्ज़म ख़ाँ साहब से शिष्टाचार मुलाक़ात के दौरान क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक मुद्दों पर सार्थक चर्चा की गई। इस दौरान खासतौर पर महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और नगीना को नया जिला बनाए जाने की आवश्यकता पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति में महिलाओं की शिक्षा की भूमिका बेहद अहम होती है। शिक्षित महिलाएं न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज को जागरूक और सशक्त बनाती हैं। इस दिशा में ठोस प्रयास करने और जागरूकता फैलाने पर सहमति जताई गई। वहीं, नगीना को जिला बनाने की मांग को लेकर भी उपस्थित लोगों ने अपने विचार रखे। उनका कहना था कि नगीना क्षेत्र जनसंख्या और भौगोलिक दृष्टि से जिला बनने की सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है। यदि इसे जिला घोषित किया जाता है तो क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन को प्रशासनिक सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। बैठक में यह भी दोहराया गया कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर संवाद बनाए रखना और समाधान की दिशा में कार्य करना सभी की प्राथमिकता है। क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मिलकर प्रयास करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कलीम साहब, मेराज साहब, डॉ. ज़ाहिद साहब, मुहम्मद ज़ैद साहब, अबसार साहब, अजविंदर बिस्ला साहब और आसिफ़ साहब सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सिटी सेंटर मार्केट स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर जांच

» आखिर कब सुधरेगी व्यवस्था उपभोक्ता बहुत परेशान
» कोई जन जनप्रतिनिधि भी नहीं आया हाल चाल जानने

लोक तंत्र की शान , खिज़र अहमद

नजीबाबादः के सिटी सेंटर मार्केट में स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर आज इंडियन ऑयल के फील्ड अधिकारी जांच के लिए पहुंचे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उपभोक्ताओं से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उपभोक्ताओं का आरोप है कि उनके मोबाइल नंबर पर सिलेंडर डिलीवरी का OTP तो पहुंच जाता है, लेकिन सिलेंडर घर तक नहीं पहुंचता। इस पूरे मामले को कालाबाजारी से जोड़कर देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि एजेंसी की कार्यप्रणाली से वे काफी परेशान हैं। गैस लेने के लिए बार-बार लाइन में लगना पड़ रहा है, जिससे उनका समय और काम दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि एजेंसी संचालक द्वारा उनकी समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। न ही पानी की कोई व्यवस्था और नहीं कोई पिंडाल की व्यवस्था है उपभोक्ता भारी परेशानी उठाकर भी सिलेंडर हासिल नहीं कर पा रहे है

अब बड़ा सवालः क्या इंडियन ऑयल की यह जांच केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहेगी, या फिर एजेंसी और गोदाम पर ठोस कार्रवाई भी होगी? फिलहाल अधिकारियों द्वारा जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

संक्षिप्त समाचार

ई-रिक्शा रोककर 4 लोगों पर चाकू से हमला:वैशाली में आपसी विवाद में दिया घटना को अंजाम

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के कारण एक व्यक्ति ने टोटो रिक्शा रोककर चार लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में सभी चार लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घायलों की पहचान रवि कुमार (पिता राजेंद्र महतो), निशा कुमारी (पत्नी रवि कुमार), राजेंद्र महतो (पिता स्वर्गीय धूटुक महतो) और बबीता देवी (पत्नी राजेंद्र महतो) के रूप में की गई है। ये सभी सराय थाना क्षेत्र के पौरा गांव के निवासी हैं। पुलिस ने चाकू मारने के

आरोपी विक्की कुमार (पिता देवेंद्र महतो) को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना सराय-लालगंज मुख्य मार्ग पर स्थित नरेंद्र प्रबोधि गांव के पास हुई। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार आरोपी ने बीच सड़क पर टोटो रिक्शा को रोका और उस पर सवार लोगों पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। घायलों को तत्काल सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और विवाद के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

सोनपुर में यादव समाज ने पासवान के युवकों को पीटा, बारात के दौरान हिंसक झड़प

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। सोनपुर थाना क्षेत्र के सबलपुर नेवल टोला में एक बारात के दौरान डीजे पर अश्लील गाने बजाने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस झड़प में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, कश्मीरी राय की शादी के दौरान बारात जब सबलपुर नेवल टोला पहुंची, तो डीजे पर कथित रूप से अश्लील गाने बजाए जा रहे थे। स्थानीय पासवान समाज के लोगों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनकी पहचान इस प्रकार की गई है। सुभाष कुमार पासवान (38) और राजन पासवान (25) के रूप में हुई है। दोनों को पहले सोनपुर रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल सुभाष कुमार पासवान के अनुसार, रात करीब 12:30

बजे बारात के दौरान डीजे बज रहा था, जिसमें अश्लील गाने चल रहे थे। उनका कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो बारात पक्ष के कुछ लोगों ने बेल्ट, ईंट और लाठी से हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने जातिसूचक गालियां भी दीं और जान से मारने की धमकी दी। घायल पक्ष का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी, तो आरोपियों ने पुलिस को भी धमकाने की बात कही। उनका कहना है कि पुलिस के आने पर भी आरोपियों का व्यवहार आक्रामक रहा और बाद में उन्हें अस्पताल जाने के दौरान भी पीछा करने की कोशिश की गई। वहीं सोनपुर थाना पुलिस ने घटना को लेकर अलग जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार, अश्लील गाना बजाने की बात सही नहीं है और मामला गाड़ी साइड करने को लेकर हुए मामूली विवाद से शुरू हुआ था, जो बाद में झड़प में बदल गया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर ऑफिस में लगी आग, डॉक्यूमेंट्स, कंप्यूटर जलकर राख, शॉर्ट सर्किट की आशंका

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को प्लेटफॉर्म-1 पर रेल कार्यालय में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। स्टेशन परिसर से काले धुएं का गुबार उठता देख यात्रियों और रेल कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। बिजली के तारों से चिंगारी निकलने के बाद वहां रखे दस्तावेज और फर्नीचर आग की चपेट में आ गए। पूरे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्लेटफॉर्म पर मौजूद दुकानें तुरंत बंद कर दी गई। वेंडर सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए। ट्रेन पकड़ने आए यात्रियों को काफी

असुविधा हुई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवान मौके पर पहुंचे। अग्निशमन विभाग को तुरंत सूचना दी गई। आनन-फानन में दमकल की 2 गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। स्टेशन के संकरे हिस्सों और प्लेटफॉर्म पर भीड़ के कारण बचाव कार्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रेल कार्यालय में रखे महत्वपूर्ण कागजात, कंप्यूटर और सरकारी संपत्ति के जलकर खाक होने की आशंका है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। सटीक कारणों की जांच के लिए कमेटी गठित करने की बात कह रहे हैं। फिलहाल, स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं। स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

महिला टीचर से मारपीट, स्कूल प्रबंधक पर गंभीर आरोप, पीड़िता बोलीं- छुट्टी मांगने पर बढ़ा विवाद

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित एशियन स्कूल में एक शिक्षिका के साथ मारपीट और बदसलूकी का मामला सामने आया है। शिक्षिका ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी वायरल हो रहा है, जिसके बाद शिक्षा जगत और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। पीड़ित शिक्षिका की पहचान अंकिता कुमारी के रूप में हुई है। अंकिता ने बताया कि विवाद उनकी बी.एड इंटर्नशिप के लिए मांगी गई छुट्टी को लेकर शुरू हुआ। वह लंबे समय से स्कूल में काम कर रही थीं। जब उन्होंने इंटर्नशिप के लिए अवकाश मांगा, तो स्कूल प्रबंधन का रवैया बदल गया। सभी स्टाफ को समय पर वेतन दिया गया, लेकिन उनकी सैलरी रोक दी गई। जब वह अपने बकाया वेतन के बारे में पूछताछ करने स्कूल पहुंचीं, तो प्रबंधन ने उनसे सीधे बात करने से इनकार कर दिया। उन पर एक महीना और काम करने का दबाव बनाया गया। कहा गया कि इसके बाद ही उन्हें बकाया पैसा दिया जाएगा और फिर उन्हें इस्तीफा देना होगा। अंकिता ने आगे बतायाकि इस शर्त पर आपत्ति जताई और अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका व्यक्त की, तो स्थिति और बिगड़ गई। घटना वाले दिन बकाया 15 हजार रुपए की मांग करने दोबारा एशियन स्कूल पहुंची थीं। वहां मौजूद एक पुरुष शिक्षक और एक महिला परिचारिका ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। उनके साथ धक्का-मुक्की की गई, बाल पकड़कर बेरहमी से पीटा गया और गलत तरीके से छेड़छाड़ भी की गई। जबरन स्कूल के गेट से बाहर धकेल दिया गया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, एशियन स्कूल प्रबंधन ने इन तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। स्कूल प्रशासन का कहना है आरोप बेबुनियाद है।घटना को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। स्कूल के अनुशासन को बनाए रखने के लिए कदम उठाए गए थे और मारपीट जैसी कोई बात नहीं हुई है। घटना के तुरंत बाद लहूलुहान और डरी-सहमी शिक्षिका ब्रह्मपुरा थाना पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता और वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है।सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पटना में 10 साल की बच्ची का अपहरण, फिर हत्या

आंख-चेहरे पर कई जगह जख्म, स्कूल यूनिफॉर्म में घर से 500 मीटर दूर मिला शव

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में 10 साल की छात्रा की अपहरण के बाद हत्या की गई है। बच्ची का शव उसके घर से करीब 500 मीटर दूर एक गली से कंबल में लिपटा हुआ मिला। मामला बाईपास थाना क्षेत्र का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने FSL टीम और डॉग स्क्वाड को भी छानबीन के लिए बुलाया है। बच्ची का नाम रोशनी कुमारी है। वो 6वीं क्लास में पढ़ती थी। बच्ची बुधवार सुबह से लापता थी।

बुधवार सुबह दूध लेने निकली, फिर नहीं लौटी: बच्ची के पिता अनु यादव ने बताया कि, 'हम आसपास के घरों में दूध बेचते हैं। बुधवार सुबह बेटी पास के शिवकुमार ठाकुर के घर दूध देने निकली थी, उसके बाद नहीं लौटी। हम उसे तलाशते रहे। हमने बेटी को स्कूल से लेकर गांव में सब जगह ढूंढा, लेकिन वो नहीं मिली। रिश्तेदारों के घर भी गए। सोचा वो वहां चली गई होगी। बेटी वहां भी नहीं मिली। इसके बाद हमने बाईपास थाने को सूचना दी। पुलिस ने भी हमारे साथ गांव में घूम-घूमकर पड़ताल की। पुलिस ने शिवकुमार ठाकुर से भी बात की। शिवकुमार ने बताया कि बेटी उसके घर दूध देने

आई थी। दूध देने के बाद वो वहां से निकल गई। मेरी कुछ लोगों से दुश्मनी तो है, लेकिन पता नहीं किसने मेरी बच्ची को मारकर फेंक दिया। स्कूल यूनिफॉर्म में ही उसकी बॉडी मिली है।'

दादी बोली- मैं दूध पहुंचाने नहीं बोलती तो पोती जिंदा होती: रोशनी कुमारी की दादी राजमंति देवी ने बताया, 'बुधवार पोती यूनिफॉर्म पहनकर स्कूल जाने के लिए तैयार थी। मेरे ही कहने पर वो पड़ोस के घर दूध पहुंचाने के लिए गई। उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। मैंने दूध पहुंचाने नहीं कहा तो शायद रोशनी आज जिंदा होती। गुरुवार की सुबह उसकी लाश गली में मिली। अपराधियों ने रोशनी को मार कर फेंक दिया है। घर में कोई नहीं था। वो स्कूल के लिए तैयार भी हो चुकी थी। मैंने सोचा कि वो दूध देते हुए स्कूल चली जाएगी। 5 से 10 मिनट में उसे लौट जाना था, लेकिन वो नहीं आई। '

मृतक छात्रा के परिजन और स्थानीय लोग शव लेकर पटना-फतुहा मुख्य सड़क पर पहुंचे और जाम कर दिया। लोगों ने टायर जलाकर प्रदर्शन किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे लोग अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे।

पुलिस बोली- हत्या से पहले बेरहमी पीटा गया: बाईपास थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया, 'बच्ची के लापता होने की सूचना परिजनों ने बुधवार की रात दी थी। रात भर छात्रा की तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार की सुबह एक गली में छात्रा का शव मिला है। रोशनी कुमारी के शरीर पर कई गहरे जख्म हैं, जिसे देखकर लगता है कि हत्या से पहले उसकी जमकर पिटाई की गई है। जिस जगह पर शव मिला है, वहां भी पुलिस की टीम रात में गई थी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इससे लगता है कि हत्या कहीं और कर के बॉडी को घर के पास फेंका गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और संदिग्धों से पूछताछ भी जारी है। FSL टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया है। मामले की जांच तेज कर जल्द ही खुलासा करेंगे।'

सहरसा में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा, बैकलॉग कम करने और समय पर डिलीवरी के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी के निर्देशानुसार प्रमुख गैस वितरकों—एचपी गैस और भारत गैस—के आपूर्ति आंकड़ों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस समीक्षा का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को समय पर गैस रिफिल उपलब्ध कराना और लंबित बुकिंग (बैकलॉग) को कम करना है। आज आयोजित दैनिक मीडिया ब्रीफिंग में LPG गैस सिलेंडर वितरण की वर्तमान क्रियान्वयन स्थिति के संबंध में अवगत कराया गया। लंबित वितरण कार्य को सर्वोच्च्य प्राथमिकता के आधार पर अविलंब निष्पादित करने का निर्देश दिया गया है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में बीते दिन कुल 2,794 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई, जिसमें एचपी गैस के 1,546 और भारत गैस के 1,248 सिलेंडर शामिल हैं। वर्तमान में जिले में कुल 7,350 भरे हुए सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है, जिससे आगामी दिनों में आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रहने की उम्मीद है। पिछले 24 घंटों में जिले भर में कुल 2,980 नई बुकिंग प्राप्त हुई हैं। प्रशासन ने सभी वितरकों को निर्देश दिया है कि वे प्राप्त बुकिंग का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। हालांकि समीक्षा में यह भी पाया गया कि कुछ एजेंसियों के पास लंबित बुकिंग की संख्या अधिक है, जिससे औसत प्रतीक्षा अवधि (बैकलॉग डेज) लगभग 3.4 दिन हो गई है। एजेंसी-वार प्रदर्शन की समीक्षा में एचपी गैस के अंतर्गत 'गौरी शंकर एचपी गैस एजेंसी' और 'शांति एचपी गैस ग्रामीण वितरक' द्वारा संतोषजनक डिलीवरी की गई। वहीं 'जय मां भगवती एचपी गैस' को लंबित बुकिंग (7.97 दिन) को शीघ्र समाप्त करने के निर्देश दिए गए। भारत गैस के अंतर्गत 'आशा भारतगैस एजेंसी' और 'शहीद राजनंदन भारतगैस' द्वारा सबसे अधिक डिलीवरी सुनिश्चित की गई। प्रशासन द्वारा वितरकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जिन एजेंसियों के पास 4 दिन से अधिक बैकलॉग है, वे अतिरिक्त वाहन और जनशक्ति लगाकर अगले 48 घंटों के भीतर पेंडेंसी कम करें। साथ ही सभी गैस वितरकों को प्रतिदिन अपने ओपनिंग स्टॉक और इन-ट्रांजिट स्टॉक की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने को कहा गया है। कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण करें, ताकि उपभोक्ताओं को निर्धारित दर पर ही गैस उपलब्ध हो सके। जिला प्रशासन ने आम जनता को आश्वस्त किया है कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है। आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह सक्रिय है और इन-ट्रांजिट स्टॉक लगातार पहुंच रहा है। किसी भी समस्या की स्थिति में उपभोक्ता जिला आपूर्ति कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

जदयू जिला कमेटी गठन को लेकर अहम बैठक निष्ठावान कार्यकर्ताओं को मिलेगी प्राथमिकता

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा में आज गांधी पथ स्थित निज आवास पर जनता दल (यू) की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष श्री गूँजेश्वर साह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सोनबरसा के विधायक माननीय श्री रत्नेश सदा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जदयू की जिला कमेटी के गठन को लेकर रणनीति तय करना था। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला कमेटी में केवल सम्मानित, सक्रिय एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही स्थान दिया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि कमेटी के सदस्यों का अंतिम चयन राज्य कमेटी के अनुमोदन के बाद सार्वजनिक किया जाएगा। जिला अध्यक्ष श्री गूँजेश्वर साह ने कहा कि जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों में बिहार

में हर क्षेत्र में व्यापक और ईमानदार विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता इन विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं। वहीं, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं सोनबरसा विधायक श्री रत्नेश सदा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं और वही संगठन को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से लेकर अब तक मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गांवों को शहरों से जोड़ने के लिए कनेक्टिविटी बेहतर हुई है और बिजली आपूर्ति में भी काफी सुधार आया है। बैठक में जदयू के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें श्री सुनील कुमार सिंह, डॉ. लुतफुल्लाह, श्री जय सिंह, राजकुमार शाह, गणेश कुमार गौरव, उपेंद्र सिंह कुशवाहा, स्मिता सिंह, घनश्याम मेहता, अरुण सिंह, रघुनंदन सिंह, श्रीकांत झा, विजय कुमार सिंह, घनश्याम महतो, मनोज कुमार, ज्ञानेंद्र कुमार, सुधीर कुमार, संतोष ठाकुर, अरुणेश कुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

पूर्व थानाध्यक्ष को ईओयू ने भेजा नोटिस

लोकतंत्र की शान , पटना

किशनगंज के पूर्व नगर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने उन्हें आय से अधिक संपत्ति मामले में पूछताछ के लिए पटना स्थित अपने कार्यालय में तलब किया है। अभिषेक कुमार रंजन को EOU ने नोटिस भेजा है। पूछताछ के लिए EOU ने अभिषेक कुमार रंजन को बुलाया है। मंगलवार को EOU कार्यालय आकर अभिषेक को अपना पक्ष रखने को कहा गया है। अभिषेक कुमार रंजन पर आय से 118 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। EOU की 5 अलग-अलग टीम ने 14 अप्रैल को अभिषेक के 5 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। पटना, छपरा, सिलीगुड़ी और मुजफ्फरपुर में करोड़ों के बंगले और जमीन के निवेश का EOU ने छापेमारी के दौरान खुलासा किया था।

16 साल के सेवा काल में लगभग 50 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति: सूत्रों के अनुसार, अभिषेक कुमार रंजन पर अपने 16 साल के सेवा काल में लगभग 50 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित करने का गंभीर आरोप है। जांच एजेंसी को संदेह है कि उन्होंने पद का दुरुपयोग कर यह संपत्ति जुटाई है। ईओयू अब उनकी आय के स्रोतों और संपत्तियों के नेटवर्क की जांच कर रही है। ईओयू की पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अवैध संपत्ति का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें किन-किन लोग शामिल हैं। आने वाले दिनों में इस मामले

आय से 118 प्रतिशत अधिक संपत्ति पर होगी पूछताछ, बड़े नेटवर्क का खुलासा संभव

में और भी कई खुलासे होने की संभावना है।

निलंबित SDPO के सहयोगी रहे हैं अभिषेक रंजन: यह मामला तब सामने आया जब किशनगंज के निलंबित एसडीपीओ गौतम कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच चल रही थी। उसी दौरान अभिषेक रंजन का नाम भी जांच के दायरे में आया। जांच में संकेत मिले कि अभिषेक रंजन, गौतम कुमार के करीबी सहयोगी रहे हैं। ईओयू की प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि थानाध्यक्ष के स्थानीय बालू माफिया, एंट्री माफिया, शराब माफिया और तस्करों से गहरे संबंध थे। इस अवैध कमाई को जमीन, मकान और अन्य बेनामी संपत्तियों में निवेश किया गया।

नाले का पानी सड़क पर आया, पटना में सड़क धसने से गिरी थी पोकलेन

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के जय प्रकाश नगर में राजीव नगर नाले का पानी सड़क पर आ जाने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंदे काले पानी से पूरे इलाके में बदबू फैल गई है, जिससे सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। जगह-जगह गड्ढे में पानी भरा होने के कारण कई बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति बीमारी का घर बन चुकी है और अगर पानी का स्तर और बढ़ा तो नाले का पानी घरों में भी घुस सकता है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नाले की सफाई और पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है। मंगलवार देर रात सड़क धसने से पोकलेन मशीन राजीव नगर नाले में गिर गई थी। सिल्ट हटाने के दौरान पीसीसी सड़क धंसने से यह

बदबू से लोग बेहाल, बुडको बोला- डीवॉटरिंग करेंगे

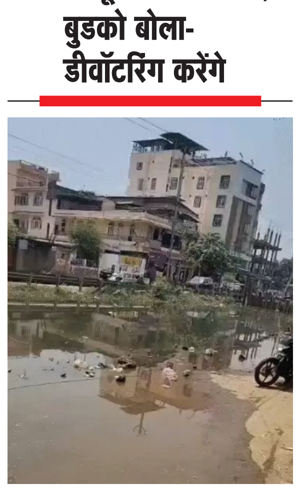

हादसा हुआ। हालांकि, इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। मगर नाले के किनारे कई जगह सड़क हादसे का खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद सभी जगहों पर बेरिकेडिंग नहीं की गयी है।

महिषी में पेवर ब्लॉक सड़क व खेल मैदान गैलरी का उद्घाटन, पौधारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश; सहरसा में वाहन जांच अभियान में 1.84 लाख जुर्माना

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा जिले के महिषी प्रखंड में आज जिला पदाधिकारी श्री दीपेश कुमार (भा.प्र.से.) ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत नवनिर्मित ग्राम पंचायत महिषी उत्तरी में मुख्य सड़क से आशो देवी प्यारे झा +2 उच्च विद्यालय खेल मैदान तक बने पेवर ब्लॉक मार्ग एवं पश्चिमी भाग में निर्मित गैलरी का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान बताया गया कि मिट्टी से निर्मित दीर्घा/गलियारा एक ऐसी संरचना है, जहां बैठकर दर्शक खेल का आनंद ले सकते हैं। यह निर्माण स्थानीय खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, निदेशक (एनईपी), स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अन्य उपस्थित लोगों द्वारा विद्यालय परिसर

में लगभग 200 महोगनी के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने आशो देवी प्यारे झा +2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साप्ताहिक जांच परीक्षा के आयोजन की सराहना करते हुए इसे नियमित रूप से जारी रखने का निर्देश दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत, निदेशक (एनईपी) श्री पुलक कुमार, डीपीओ (मनरेगा), कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) महिषी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इधर, जिला परिवहन कार्यालय सहरसा द्वारा बैजनाथपुर थाना और यादव चौक के पास वाहन जांच को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 34 वाहनों की जांच की गई, जिसमें हेलमेट, सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाण पत्र और बीमा अद्यतन नहीं होने के मामलों में कुल 1,84,000 का शमन/अर्थदंड वसूला गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

'जो कहा वो किया', पटना में लगे नीतीश के पोस्टर

लोकतंत्र की शान , पटना

नीतीश कुमार के सीएम पद छोड़ने के बाद उनके कामों को लेकर पटना में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में बिहार में पिछले दो दशकों के दौरान हुए विकास कार्यों को बताया गया है। खासतौर पर महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को प्रमुखता दी गई है। पोस्टरों पर बड़े अक्षरों में लिखा है— "जो कहा... वो किया", जिसके जरिए नीतीश कुमार के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

सम्राट सरकार में भी नीतीश के काम पर जोर: राज्य में वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं, लेकिन पोस्टरों में विकास कार्यों का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिया जा रहा है। इसे लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि इन पोस्टरों के जरिए जनता के बीच यह संदेश देने की कोशिश है कि बिहार के विकास की मजबूत पहचान अब भी नीतीश कुमार के नाम से जुड़ी हुई है।

हंसते-हंसते फ्लोर टेस्ट पास करेंगे CM सम्राट: श्रवण कुमार – बिहार में बनी नई सम्राट सरकार को कल बहुमत पेश करना है। इसे लेकर जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने कहा, 'एक तरफ 202 है और एक तरफ 35। सम्राट सरकार को बहुमत हंसते-हंसते मिलेगा।' क्रॉस वोटिंग पर श्रवण कुमार ने कहा, 'उनसे पूछिए कि वो क्या करेंगे।' वहीं प. बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव पर उन्होंने

कहा, वर्तमान सरकार हताश और निराश है। चुनाव में बदलाव होगा और एनडीए की सरकार बनेगी। वोटिंग में बमबाजी को लेकर कहा, जो हताश और निराश हैं, वो इस तरह गुंडागर्दी का सहारा ले रहे हैं। उनके नापाक इरादे कभी कामयाब नहीं होंगे।

नीतीश कुमार के आशीर्वाद से सरकार चल रही: जदयू: इधर, जदयू के सीनियर लीडर और डिप्टी सीएम विजय चौधरी और जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा, 'बिहार में सरकार नीतीश कुमार के आशीर्वाद से चल रही है। 24 अप्रैल को विधानसभा में सरकार विश्वास मत हासिल करेगी। कल इसी के लिए सत्र बुलाया गया है। हम बड़े मजबूती से मत हासिल करेंगे। साधारण बहुमत नहीं, मजबूत बहुमत है।' प्रेस कॉन्फ्रेंस में विजय चौधरी ने कहा, 'नीतीश कुमार की सोच को ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आगे बढ़ा रहे हैं। आप सब जानते हैं, जो रास्ता नीतीश कुमार ने बिहार के लिए बनाया है। उसी पर सरकार चल रही है। जनता ने तो 20 सालों में दिखा दिया, उनको नीतीश कुमार जी पसंद है।'

तेजस्वी यादव पर डिप्टी सीएम का पलटवार: डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने आगे कहा, 'तेजस्वी यादव कह रहे हैं कि सरकार 12 हजार करोड़ का कर्ज ले रही है। बिहार की जनता विकास देखती है या खजाना देखती है। अभी वो स्थिति नहीं आई है, जैसे उनकी सरकार चलती थी। उस समय वित्त विभाग लाल घेरे में रहती थी।' वहीं उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव से तेजस्वी के बिहार में अपराधी सम्राट हो गए हैं वाले बयान पर कहा, 'अपने क्या हैं वो, उनसे पूछिए कि वो खुद क्या हैं।' तेजस्वी यादव के लॉ एंड ऑर्डर पर उठाए गए सवाल पर श्रवण कुमार ने कहा, 'बिहार की जनता ने उन्हें खारिज कर दिया है। उनके माता-पिता के समय बिहार जंगलराज के दौर से गुजरा है। उनको ऐसी बात नहीं करना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

कैथलः समाधान शिविर में डीसी ने देरी से पहुंचने वाले अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

लोकतंत्र की शान : कैथल। लघु सचिवालय में गुरुवार को आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त अपराजिता ने आमजन की शिकायतों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। शिविर में देरी से पहुंचने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में समय की पाबंदी सुनिश्चित करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है, इसलिए प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने लंबित शिकायतों पर भी सख्त संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को तय समयसीमा में समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में शहर में बेसहारा पशुओं, विशेषकर आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या प्रमुख रूप से सामने आई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इनकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। इस पर डीसी ने नगर परिषद के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अवैध अतिक्रमण की शिकायतें भी सामने आईं। डीसी ने डीएमसी को मौके पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश दिए। वहीं, वार्ड नंबर 22 की दर्शना देवी ने वर्ष 2005 से मिल रही विधवा पेंशन बंद होने की शिकायत रखी। इस पर डीसी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को तुरंत जांच कर नियमानुसार पेंशन बहाल करने के निर्देश दिए। डीसी अपराजिता ने दोहराया कि जिला प्रशासन जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रहा है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के निर्देश दिए।

यमुनानगरःअधेड़ उम्र व्यक्ति पर नुकीले हथियार से हमला, हालत गंभीर

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर शहर के विश्वकर्मा मोहल्ला क्षेत्र में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति पर घातक हमला किए जाने का मामला सामने आया है । हमलावरों ने उसे घेरकर नुकीले औजार से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, घायल की पहचान यमुनानगर निवासी कुलदीप कुमार (55) के रूप में हुई है, जो पेंटिंग का कार्य करता है और अपने भतीजे के साथ रहता है। परिजनों ने बताया कि घटना उस समय हुई जब कुलदीप कुमार देर रात काम से लौट रहा था। घर के समीप कुछ युवकों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने बर्फ तोड़ने वाले नुकीले औजार से सिर, कमर और छाती पर वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, हमलावरों में एक युवक की पहचान पाला के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि क्षेत्र में पूर्व में हुए एक विवाद के चलते यह हमला किया गया हो सकता है। सिटी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर नामजद आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यमुनानगरःपुलिस ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर पुलिस की एंटी व्हीकल थेफ्ट सेल ने अवैध हथियार रखने के आरोप में एक युवक को काबू कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इंचार्ज राजेश कुमार ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक संदिग्ध युवक गांव ताजकपुर के समीप अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी की पहचान खड्डा यमुनानगर के पुराना हमीदा निवासी ताहिर अली के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी आपराधिक गतिविधियों में पहले से संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ चोरी, छीना-झपटी और शस्त्र अधिनियम से जुड़े कुल 21 मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार, अवैध हथियारों की उपलब्धता अपराधों को बढ़ावा देती है और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनती है।

आधुनिक तकनीक का कमालः बिना सर्जरी सफल पेसमेकर प्रत्यारोपण

लोकतंत्र की शान : जयपुर। जयपुर स्थित मणिपाल हॉस्पिटल में एक जटिल और दुर्लभ प्रक्रिया के तहत झुंझुनूं निवासी मरीज जगदीश के हृदय में लीडलेस पेसमेकर का सफल प्रत्यारोपण किया गया। यह ऑपरेशन वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु गुप्ता के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मरीज का चिकित्सा इतिहास बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। वह पिछले करीब 10 वर्षों से हार्ट ब्लॉकेज की समस्या से ग्रसित थे, जिसके चलते उन्हें चक्कर आना और बेहोशी की स्थिति का सामना करना पड़ता था। उपचार के रूप में वर्ष 2017 और 2024 में पारंपरिक पेसमेकर लगाए गए थे, लेकिन समय के साथ दोनों पेसमेकर काम करना बंद कर चुके थे। ऐसी स्थिति में तीसरी बार पारंपरिक पेसमेकर लगाना जोखिम भरा था। इसी जटिलता को देखते हुए चिकित्सकों ने अत्याधुनिक तकनीक अपनाते हुए लीडलेस पेसमेकर लगाने का निर्णय लिया। डॉ. हिमांशु गुप्ता ने बिना चीरा लगाए पैर की नस के माध्यम से यह पेसमेकर सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और उन्हें दो दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस तकनीक में किसी प्रकार का चीरा नहीं लगता, जिससे संक्रमण का खतरा कम होता है। रिकवरी तेज होती है और डिवाइस सीधे हृदय में लगाए जाने से इसकी कार्यक्षमता बेहतर रहती है। इसमें तार (लीड) नहीं होते, जिससे भविष्य में जटिलताओं की संभावना भी कम रहती है। आकार में छोटा होने के कारण यह शरीर के भीतर आसानी से काम करता है और मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। डॉ. हिमांशु गुप्ता ने बताया कि लीडलेस पेसमेकर तकनीक हार्ट ब्लॉक के मरीजों के लिए सुरक्षित और प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है, खासकर उन मरीजों के लिए जिनके पारंपरिक पेसमेकर काम करना बंद कर चुके हों।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन नौ मई को

लोकतंत्र की शान : जयपुर। आगामी 9 मई (द्वितीय शनिवार) को आयोजित होने वाली तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक राजस्व प्रकरणों का समझाइश के आधार पर निस्तारण करने के लिए राजस्व मंडल स्तर पर प्री काउंसलिंग बेंच का गठन किया गया है । प्री काउंसलिंग कार्य 27 व 28 अप्रैल को राजस्व मंडल परिसर में होगा। राजस्व मंडल के अतिरिक्त निबंधक (न्याय) हेमंत स्वरूप माथुर ने बताया कि इस प्री काउंसलिंग बेंच के लिए सेवानिवृत्त आर.ए.एस अधिकारी सुरेश कुमार सिंधी को विधिक सेवा प्राधिकरण के स्तर से काउंसलर नियुक्त किया गया है । इसी प्रकार प्री काउंसलिंग बेंच में राजस्व मंडल से रीडर बिशन सिंह राठौड़ व सहायक रीडर पदम प्रजापति अमर सिंह मीना , विक्रम पुरोहित तथा रामकेश गुर्जर को प्री काउंसलिंग कार्य होने तक सहयोगी के रूप में लगाया गया है ।

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना से 95417 आवास पूर्ण

» 1 लाख 19 हजार 591 पात्रों के आवास हुए स्वीकृत
» जिला पंचायत की सक्रियता से आवास योजना में तेजी

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी । जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना से पात्र हितग्राहियों को पक्के आवास की सुविधा प्राथमिकता से स्वीकृत हो रही है। हितग्राहियों को चार विभिन्न योजनाओं से पात्रता के आधार पर आवास स्वीकृत हो रहे हैं। अभी तक सीधी जिले में 95417 आवास पूर्ण हो चुके हैं। आवास पूर्ण होने के बाद हितग्राही अपने परिवार के साथ उनका उपयोग कर रहे हैं। जिला पंचायत सीधी के जारी आंकड़ों के अनुसार सीधी जिले में कुल 1 लाख 19 हजार 591 हितग्राहियों को पात्रता के आधार पर आवास स्वीकृत किए गए थे। आवास की स्वीकृति मिलने एवं किस्तों का भुगतान होने पर 95417 आवास पूर्ण हो चुके हैं। शेष आवासों का निर्माण कार्य हितग्राहियों द्वारा किया जा रहा है। दरअसल प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 2011 एवं 2021-22 में कुल 84874 आवासों की स्वीकृति दी गई थी। जिसमें हितग्राहियों द्वारा 81 हजार 552 आवासों को पूर्ण कर लिया गया है। सीधी जिले के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में स्टेट रैंकिंग 35 है। इसी तरह प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान में कुल स्वीकृत आवास 5748 थे। इनमें 4717 आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम जन-मन में सीधी जिले की स्टेट रैंकिंग 10 है। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना आवास प्लस 2024-25 में कुल स्वीकृत आवास 27180 में से 8690 आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना आवास प्लस में सीधी जिले की स्टेट रैंकिंग 44 है। इसी तरह धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में कुल स्वीकृत आवास 1789 है। जिसमें पूर्ण आवासों की संख्या 458 है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में सीधी जिले की स्टेट रैंकिंग 38 है। तत्संबंध में जानकारों का कहना है कि शासन द्वारा ऐसे हितग्राहियों का सर्वे कर जानकारी आरंभ से जुटाई जा रही है कि किनके पास पक्के आवास नहीं हैं। जिन हितग्राहियों के पास स्वयं के पक्के आवास नहीं हैं उनका नाम ग्राम पंचायत की ओर से हितग्राही के रूप में चयनित कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाता है। जनपद पंचायत के माध्यम से चयनित हितग्राहियों की सूची बजट आवंटन के लिए जिला पंचायत के पास पहुंचती है। वहां से बजट का आवंटन एवं स्वीकृति मिलने के बाद संबंधित हितग्राही को बैंक खाते में आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त भेजी जाती है। हितग्राही के खाते में प्रथम किस्त आने के बाद उसके द्वारा आवास का निर्माण कार्य शुरू किया जाता है। नींव स्तर तक कार्य पूर्ण हो जाने के बाद जब आवास निर्माण का मूल्यांकन हो जाता है तो फोटोग्राफ्स अपलोड के आधार पर हितग्राही को आवास योजना की द्वितीय किस्त जारी की जाती है। इस तरह आवास निर्माण के दौरान हितग्राही को मिलने वाली किस्त से निर्धारित स्तर तक आवास का निर्माण कार्य पूर्ण करना होता है। किए गए निर्माण कार्य का मूल्यांकन होने के बाद आगे के कार्य के लिए फिर से बजट बैंक खाते में किस्त के रूप में भेजी जाती है। सीधी जिले में ऐसे हजारों जागरुक हितग्राही हैं जिनके द्वारा आवास योजना के तहत मिलने वाली किस्त के साथ ही आवास को और सुविधापूर्ण बनाने के लिए अपने से भी धनराशि लगाकर निर्माण किया जा रहा है। ऐसे निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद हितग्राही के पूरे परिवार को सर्वसुविधायुक्त पक्के आवास की सुविधा प्राप्त हो रही है। सीधी जिले में जरूरतमंदों के लिए आवास योजना वरदान बन चुकी है।

संकल्प से समाधान के तहत 81295 आवेदन मंजूर

जिला पंचायत सीधी द्वारा संकल्प से समाधान अभियान के तहत सीधी जिले में कुल 92,039 आवेदन प्राप्त हुए। परीक्षण के पश्चात 81295 आवेदन स्वीकृत हुए। इनमें कुल निराकृत आवेदन की संख्या 92039 है। परिसम्पत्ति प्रबंधन (जीओ टैगिंग) में 400 ग्राम पंचायतों में कुल 5714 परिसम्पत्तियों का जियो टैग किया गया है। वहीं सम्पत्ति कर 2025-26 में कुल अधिरोपित राशि 1 करोड़ 45 लाख 58 हजार 898 रुपए है। वसूली गई राशि में 6 लाख 5 हजार 876 रुपए है। स्वच्छता कर 2025-26 में कुल अधिरोपित राशि 2 लाख 55 हजार 715 है। वसूली गई राशि 81086 रुपए है। जल कर 2025-26 में कुल अधिरोपित राशि 2 लाख 36 हजार 659 रुपए है। जिसमें वसूली गई राशि 87598 रुपए है। जिला पंचायत सीधी कार्यालय द्वारा शासन की जन कल्याणकारी विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन भी ग्रामीण क्षेत्रों में पात्रता के आधार पर सुनिश्चित कराई जा रही है। सभी योजनाओं में पात्रता के आधार पर ग्रामीणों को लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला पंचायत की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन ग्राम पंचायत के माध्यम से होने के कारण पात्र हितग्राहियों की सूची पंचायत के द्वारा तैयार की जाती है। हितग्राहियों का सूची में नाम आने के बाद उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कराया जाता है। ग्राम पंचायतों के माध्यम से ही जिला पंचायत की योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

राजस्थान में पारा 44 डिग्री के करीब 24 अप्रैल से हीटवेव का अलर्ट

लोकतंत्र की शान

जयपुर। राजस्थान में गर्मी ने अब तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जबकि श्रीगंगानगर में पारा 43.7 डिग्री तक मापा गया। राजधानी जयपुर समेत अधिकांश शहरों में तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 24 अप्रैल से हीटवेव चलने की चेतावनी जारी की है। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जयपुर जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लेते हुए 8वीं कक्षा तक के स्कूलों के समय में बदलाव किया है। नई समय सारिणी 27 अप्रैल से लागू होगी, ताकि छोटे बच्चों को लू से बचाया जा सके। पिछले 24 घंटों में कोटा, पिलानी, चित्तौड़गढ़ और चूरू जैसे जिलों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से अधिक मापा गया। वहीं श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर और चूरू में धूलभरी हवाएं चलने से गर्मी और बढ़ गई। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और न्यूनतम 27.5 डिग्री रहा। दोपहर में गर्म हवाएं चलीं और आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना जताई गई है। शहर में राहत के लिए जगह-जगह प्याऊ लगाए गए हैं। अलवर में इस सीजन में पहली बार लू का असर देखने को मिला। तापमान 41.8 डिग्री तक पहुंचा और दिनभर गर्म हवाएं चलती रहीं। जोधपुर शहर का अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री मापा गया, जो सामान्य से थोड़ा अधिक है। लू की आशंका को देखते हुए एडवाइजरी जारी की गई है। अजमेर में अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री रहा। दोपहर में सड़कों पर आवाजाही कम नजर आई और पार्कों व कार्यालयों में तैनात गार्ड्स के लिए छाते की व्यवस्था की गई। सीकर में पिछले एक सप्ताह से तापमान 40 डिग्री के आसपास बना हुआ है। लोग सुबह-शाम ही घर से बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं और खानपान में बदलाव कर लू से बचाव कर रहे हैं। कोटा में यहां तापमान 42.1 डिग्री तक पहुंच गया। दोपहर में गर्म हवाओं के कारण सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा। उदयपुर में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री मापा गया। दिन में गर्मी तेज रही, जबकि सुबह-शाम थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। 24 अप्रैल से कई जिलों में हीटवेव का प्रभाव देखने को मिल सकता है। ऐसे में लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मुआवजे की राशि दोगुना करना ऐतिहासिक निर्णयः प्रमोद

सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में आयेगी खुशहाली

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। किसान पुत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मुआवजे की राशि को लेकर जो निर्णय पारित किया है वह किसानों के लिए ऐतिहासिक निर्णय है। उक्त बातें भाजपा प्रदेश आई टी प्रभारी किसान मोर्चा प्रमोद द्विवेदी ने जारी बयान में कही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कैबिनेट के जरिए किसानों को चार गुना तक मुआवजा देने का जो प्रावधान किया है, उससे काफी हद तक भूमि अधिग्रहण से जुड़ी जटिलताएं और किसानों की नाराजगी खत्म होगी, समय समय पर जिला कलेक्टरों को किसानों से जुड़ी तमाम योजनाओं का लाभ देने के भी निर्देश हमारे मुखिया प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री द्वारा दिए जाते रहे है। सरकारी कीमत यानि गाइड लाइन से मुआवजा राशि को किसान कम मानते है क्योंकि बाजार भाव इससे कही ज्यादा रहता है, यही कारण है कि रेलवे लाइन से लेकर इकोनॉमिक कॉरिडोर , हाईवे, एयर पोर्ट सहित कई अन्य प्रोजेक्ट अभी भी किसानों के विरोध के चलते अमल में नहीं आ पा रहे हैं,अब उम्मीद जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री ने जो मुआवजे की राशि चार गुणा तक कर दी है, उससे अब बाजार भाव और सरकारी मूल्य लगभग बराबर हो जाएगा. इससे जहां किसानों को अपनी जमीनों के बदले पर्याप्त क्षतिपूर्ति राशि हासिल होगी वहीं दूसरी तरफ सभी विभागों को अपने प्रोजेक्ट समय सीमा में पूरा करने में आसानी होगी।

प्रदेश आई टी प्रभारी – किसान मोर्चा प्रमोद द्विवेदी ने कहा कि एक तरह से यह निर्णय सरकार के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि इससे जहां किसानों की नाराजगी कम होगी और उन्हें पर्याप्त मुआवजा राशि मिलेगी, वहीं दूसरी तरफ प्रोजेट्स की कास्ट यानी लागत बढ़ने से जो नुकसान संबंधित विभाग को होता है, उसमें भी अच्छी खासी बचत होगी। इससे किसान खुशहाल होगा, तो सारे प्रोजेक्ट समय सीमा में पूरे होंगे, जिसका लाभ आम जनता को मिलेगा और विकास की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगेगी, कुल मिलाकर मुख्यमंत्री का यह निर्णय इसीलिए मास्टर स्ट्रोक कहा जा सकता है, क्योंकि ये अन्नदाताओं के साथ पूरे प्रदेश के हित में भी है,अन्य राज्य जो भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों से जूझ रहे है, उनके लिए भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लिया ये निर्णय प्रेरणादायक बनेगा।

फतेहाबाद में कमर्शियल जमीन को कृषि की बताकर की रजिस्ट्री, डीसी ने लगाई रजिस्ट्रियों पर रोक

लोकतंत्र की शान

फतेहाबाद। फतेहाबाद के तहसील कार्यालय में करोड़ों रुपये की कमर्शियल जमीन को कृषि भूमि दर्शाकर फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करने का बड़ा मामला सामने आया है। इस खेल के जरिए सरकारी खजाने को लाखों रुपये के राजस्व का चूना लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कड़ा संज्ञान लिया है और संबंधित रजिस्ट्रियों पर रोक लगाते हुए जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, कार्रवाई की भनक लगते ही नायब तहसीलदार विकास कुमार छुट्टी पर चले गए हैं। गुरूवार को मिली जानकारी के अनुसार शहर के मिनी बाईपास स्थित बीघड़ रोड पर एक अवैध कमर्शियल कॉलोनी की जमीन को वैध और कृषि योग्य बताकर बेहद कम कीमत पर रजिस्ट्री कर दी गई। नियमों के अनुसार, कमर्शियल श्रेणी की जमीन की रजिस्ट्री के लिए जिला नगर योजनाकार की एनओसी अनिवार्य होती है, जिसे इस मामले में पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। आरोप है कि नगर परिषद के कर्मचारियों और तहसील स्टाफ की मिलीभगत से जमीन की फर्जी प्रॉपर्टी आईडी तैयार की गई ताकि

उसे कृषि भूमि के रूप में पेश किया जा सके। जांच में 25 मार्च 2026 को दर्ज तीन रजिस्ट्रियों नंबर 7648, 7649 और 7650 में भारी अनियमितता मिली है। रजिस्ट्री 7648 और 7649 में विक्रेता प्रवीण कुमारी ने 222-222 वर्ग गज के दो प्लॉट रीना रानी और दीपा रानी को करीब 50 लाख रुपए में बेचे दिखाए, जबकि कलेक्टर रेट इससे कहीं अधिक था। इन मामलों में स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस में भारी चोरी की गई। इसके अतिरिक्त रजिस्ट्री नंबर 7650 करीब 28 मरला जमीन रमेश रानी, सरोज मेहता और पूजा रानी के नाम 50 लाख रुपए से कम में दर्ज कर दी गई, जबकि वास्तविक कलेक्टर रेट ढाई करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। इस एक रजिस्ट्री में ही करीब 9.5 लाख रुपए स्टांप शुल्क और 20 हजार रुपए रजिस्ट्रेशन फीस का नुकसान हुआ। कुल मिलाकर अब तक 12 लाख रुपये से अधिक के राजस्व घाटे का अनुमान लगाया जा रहा है।

अधिकारियों की चुप्पी और जांच का घेराःडीसी डॉ. विवेक भारती खुद इस पूरे प्रकरण की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने नायब तहसीलदार विकास कुमार द्वारा हस्ताक्षरित विवादित रजिस्ट्रियों पर आगामी आदेशों तक रोक लगा दी है। फिलहाल राजस्व विभाग का कोई भी अधिकारी इस पर खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर, नायब तहसीलदार का मोबाइल नंबर बंद आ रहा है, जिससे संदेह गहरा गया है। इस घोटाले ने नगर परिषद फतेहाबाद को भी संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जहाँ आम नागरिक प्रॉपर्टी आईडी के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, वहीं भू-माफिया और दलाल मिलीभगत से फर्जी आईडी बनवाकर बड़े घोटालों को अंजाम दे रहे हैं। निवासियों ने मांग की है कि इस साल बनी सभी प्रॉपर्टी आईडी की उच्च स्तरीय जांच की जाए ताकि पर्दे के पीछे बैठे असली दोषियों को बेनकाब किया जा सके।

चुरहट में लगा स्वास्थ्य शिविर सैकड़ों लोगों का हुआ उपचार

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर कसावट लाने की जो मुहिम शुरू के दिनों में आरम्भ की थी, उसका असर अब अपने आप दिखाई देने लगा है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के सभी खंड मुख्यालयों को निर्देश जारी किया है कि एवं भीड भाड़ वाले स्तनों पर स्वास्थ्य शिविर लगाने की बात कही थी। उसी क्रम में आज गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चुरहट में शिविर का आयोजन किया गया है। इस स्वास्थ्य शिविर में तहसीलदार साक्षी गौतम, तहसीलदार डॉ आशीष साहू, की उपस्थिति में समस्त कोटवार संघ व अधिवक्ताओ की स्वास्थ्य की जाच स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा की गई जिसमे शुगर बीपी सहित अन्य बीमारियों की जाच की गई इसके साथ ही शिविर में दवाई का वितरण किया गया। बता दें कि जब से बतौर कलेक्टर विकास मिश्रा ने सीधी जिले की कमान संभाली है परिवर्तन अपने आप दिखने लगा है।

महाराणा प्रताप के प्रति श्रद्धा को संकल्प में बदलें – निम्बाराम

लोकतंत्र की शान

उदयपुर। 17 जून प्रताप जयंती व हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह पर होने वाले विराट आयोजन की तैयारी बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने किया आह्वान, विश्व पटल पर स्थापित करनी है महाराणा प्रताप की गौरव गाथा

गांव-ढाणी तक गूंजेगी हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती की दुंदुभीःराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने आह्वान किया है कि महाराणा प्रताप के प्रति जनमानस में जो श्रद्धा, आस्था और सम्मान का भाव है उसे संकल्प में बदलना होगा, तभी हम विशेष विचाराधारा के इतिहासकारों द्वारा मढ़ दिए गए महाराणा प्रताप और मेवाड़ के इतिहास के त्रुटिपूर्ण तथ्यों में तथ्यपरक सुधार कर अदम्य शौर्यपूर्ण इतिहास को विश्व पटल पर गौरवान्वित कर पाएंगे। निम्बाराम बुधवार देर शाम यहां प्रताप गौरव केन्द्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' में मेवाड़-वागड़ से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केन्द्र और सर्व समाज के सहयोग से महाराणा प्रताप जयंती ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया 17 जून को उदयपुर में होने वाले हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह की वृहद तैयारियों के तहत आयोजित इस बैठक में निम्बाराम ने कहा कि यह कोई सामान्य रैली या आमसभा नहीं है, यहां समाजजन महाराणा प्रताप के प्रति अगाध श्रद्धा के विचार के साथ आएंगे और आग्रह रहेगा कि प्रताप के प्रति समर्पण के दृढ़ संकल्प के साथ लौटें। उन्होंने कहा कि जब-जब समाज ने हमारे महापुरुषों को विस्मृत किया है, समाज का पतन हुआ है। यही कारण रहा कि निजी हितों के लिए महाराणा प्रताप जैसे विराट व्यक्तित्व को इतिहास में छोटा कर दिया गया। आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि इस त्रुटि को सुधारें और राष्ट्र-धर्म-संस्कृति की रक्षार्थ सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले महापुरुषों की वीर-गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। उन्होंने प्रताप गौरव केन्द्र को इसी संकल्प का एक प्रयास बताते हुए कहा कि एक ही छत के नीचे सम्पूर्ण मेवाड़ सहित राष्ट्र गौरव गाथा के दर्शन की परिकल्पना ही इस केन्द्र का आधार है। बैठक के आरंभ में प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि महाराणा प्रताप जयंती 17 जून को है और हल्दीघाटी विजय दिवस 18 जून को, इसी संयोग के साथ 17 जून को उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम गांधी ग्राउंड में विशाल राष्ट्र चेतना संकल्प सभा का आयोजन किया जा रहा है। इस सभा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संबोधित करेंगे। बैठक में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने 24 मई को दिल्ली में होने वाले विराट जनजाति सांस्कृतिक समागम की जानकारी दी। बैठक में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष प्रो. बी.पी. शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चित्तौड़ प्रांत के कार्यवाह शंकर माली मंचासीन रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के प्रचारक प्रमुख श्रीवर्धन, क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिवलहरी, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह राठौड़, क्षेत्रीय गोसेवा प्रमुख राजेन्द्र पामेचा, प्रांत प्रचारक मुरलीधर, सह प्रांत प्रचारक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, मेवाड़ राजपरिवार के महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, सागवाड़ा विधायक शंकरलाल डेचा, पूर्व कुलपति एवं राज्यपाल के सलाहकार डॉ. कैलाश सोडाणी, राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत सहित विभिन्न समाजों के प्रबुद्धजन, मातृशक्ति समिति के दायित्ववान कार्यकर्ता, वनवासी कल्याण परिषद के दायित्ववान कार्यकर्ता आदि मौजूद थे। बैठक का संचालन वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के कोषाध्यक्ष सीए डॉ. महावीर चपलोत ने किया। आने वाले बंधुओं का परिचय सह प्रांच कार्यवाह नारायण गमेती ने दिया और आभार समिति के महामंत्री दीपक कुमार शुक्ल ने ज्ञापित किया।

पुस्तिक विमोचनःबैठक में 'बप्पारावल' मासिक पत्रिका की सम्पादक डॉ. राधिका लढ़ा द्वारा लिखी गई 'तीर्थस्थल एवं जननायक-जनजाति क्षेत्र राजस्थान' पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

गांव-ढाणी तक पहुंचेगी हल्दीघाटी गौरव गाथाःबैठक में यह निर्णय किया गया कि आयोजन से पहले मेवाड़-वागड़ के गांव-गांव ढाणी-ढाणी तक हल्दीघाटी विजय की गौरव गाथा पहुंचाई जाएगी और सभी को उदयपुर में होने वाले आयोजन में सहभागी होने का आह्वान किया जाएगा। मेवाड़ के इतिहास से जुड़ी वीर-गाथाओं के छोटे-छोटे कथानकों पर आधारित लघु नाटिकाओं के गांव-गांव मंचन पर भी विचार किया गया। सम्पूर्ण मेवाड़-वागड़ में छोटे-छोटे क्षेत्रों को इकाइयों में बांटकर समितियों का गठन करने का भी निर्णय किया गया।

संक्षिप्त समाचार

इजराइल और लेबनान के बीच सीधी वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। इजराइल और लेबनान के प्रतिनिधियों के बीच सीधी बातचीत का दूसरा दौर आज यहां विदेश विभाग में शुरू होगा। दोनों देशों के बीच 10 दिवसीय संघर्ष विराम लागू है। इस अवधि 26 अप्रैल को खत्म होनी है। पहले दौर की वार्ता के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 अप्रैल को इस संघर्ष विराम की घोषणा की थी। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक आतंकी समूह हिजबुल्लाह इस वार्ता का शुरू से विरोध कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार इजराइली और लेबनानी प्रतिनिधि गुरुवार को वाशिंगटन में कूटनीतिक वार्ता के दूसरे दौर के लिए मिलने वाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लेबनान में संघर्ष विराम की चाबी ट्रंप के पास है। इजराइल अपनी आत्मरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। वह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले कर रहा है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. फवाज़ गर्गेस ने कहा, "सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप ही अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू पर सचमुच दबाव डाल सकते हैं। इजराइल उनके अलावा किसी का दबाव स्वीकार नहीं करेगा।" उन्होंने कहा ट्रंप ने ही सोशल ट्रुथ पर संघर्ष विराम का एलान किया था। प्रो. गर्गेस ने कहा कि पहले दौर में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता इजराइल को "आत्मरक्षा में सभी जरूरी कदम उठाने के अपने अधिकार को बनाए रखने" की इजाजत देता है। इस समझौते में कहा गया कि लेबनान सरकार को हिजबुल्लाह को हमले करने से रोकना होगा। बताया गया है कि वाशिंगटन में दूसरे दौर की वार्ता का मकसद 10 दिवसीय संघर्ष विराम को बढ़ाना है। इस वार्ता में लेबनान की राजदूत नादा हमदेह और उनके इजराइली समकक्ष येचिएल लीटर के अलावा अमेरिकी अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह वार्ता दक्षिण लेबनान में जमीनी स्थिति और हिजबुल्लाह-इजराइल के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए की जा रही है।

सबरीमाला केस, जस्टिस नागरत्ना बोलीं-वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से जानकारी नहीं चाहिए

नई दिल्ली। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस नागरत्ना ने यह टिप्पणी दाउदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट नीरज किशन कौल की दलील के जवाब में की थी। कौल ने कहा था कि ज्ञान और समझ, चाहे वह किसी भी सोर्स से मिली हो, उसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। कौल एक अखबार में कांग्रेस सांसद डॉ. शशि थरूर के लिखे लेख का हवाला दे रहे थे। सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

दिल्ली में आईआरएस अफसर के घर में बेटी से रेप-मर्डर, डुप्लीकेट चाबी से घर में दाखिल हुआ

नई दिल्ली। दिल्ली के पॉश इलाके कैलाश हिल्स में बुधवार सुबह आयकर विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया, फिर मोबाइल फोन चार्जिंग केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। घटना के वक्त वह घर में अकेली थी। माता-पिता जिम गए थे। पुलिस ने इस मामले में 19 वर्षीय घरेलू सहायक राहुल मीणा को गिरफ्तार किया है। उसे 6 हफ्ते पहले पैसों के लेनदेन के मामले में काम से निकाल दिया गया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि इससे पहले मंगलवार रात करीब 10:30 बजे अलवर में भी आरोपी राहुल मीणा अपने पड़ोसी के घर में घुसा और महिला के साथ मारपीट कर दुष्कर्म किया। उस पर पीड़िता का मुंह दबाने, गला घोंटने और फर्श पर पटकने का भी आरोप है। दिल्ली की एक अदालत ने इस मामले में आरोपी को 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने बताया- राहुल घरवालों की दिनचर्या से अच्छी तरह वाकिफ था। उसे पता था कि पीड़िता के माता-पिता सुबह जिम जाते हैं। ये भी जानता था कि नौकरों के लिए घर के बाहर किस जगह डुप्लीकेट चाबी छिपाकर रखी जाती थी। इसी चाबी से वह घर में दाखिल हुआ था। जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस विजय कुमार ने बताया- जांच में पता चला है कि आरोपी ऑनलाइल गेमिंग का आदी था। गेम में काफी पैसे हार चुका था और आसपास के अन्य घरेलू नौकरों से भी पैसे उधार ले रखे थे। नौकरों के मांगने पर वह पैसे नहीं लौटा रहा था। यह बात IRS अफसर तक पहुंची तो उन्होंने उसे नौकरी से निकाल दिया था।

बीकाजी के सीएमडी शिवरतन अग्रवाल का हार्ट अटैक से निधन, चेन्नई में ली अंतिम सांस

बीकानेर। बीकाजी के सीएमडी शिवरतन अग्रवाल (74) का गुरुवार सुबह चेन्नई में निधन हो गया। वे अपनी पत्नी के ऑपरेशन के सिलसिले में चेन्नई में थे। गुरुवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार, उनकी पत्नी का हाल ही में हार्ट बायपास का ऑपरेशन हुआ था। डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी थी। इसी कारण शिवरतन अग्रवाल परिवार सहित वहां के एक होटल में ठहरे हुए थे। बीकानेर के सार्दुलगंज के रहने वाले शिवरतन 10 दिन पहले परिवार के साथ चेन्नई गए थे। गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे शिवरतन अग्रवाल कुछ असहज महसूस कर रहे थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया था। जहां उनका निधन हो गया। दिल्ली समेत देशभर में रहने वाले परिजन आज शाम को बीकानेर पहुंचेंगे। शुक्रवार सुबह अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। बीकानेर व्यापार मंडल अध्यक्ष जुगल राठी ने बताया- शुक्रवार को दोपहर 2 बजे तक शहर का मार्केट बंद रहेगा। शिवरतन अग्रवाल ने साल 1993 में बीकानेर में बीकाजी ब्रांड की स्थापना की थी। छोटे स्तर से शुरू हुआ यह कारोबार आज एक बड़े फूड ब्रांड के रूप में स्थापित है। शिवरतन अग्रवाल के निधन के बाद बीकानेर के करणी और बीछवाल इंडस्ट्रीयल एरिया में बनी फैक्ट्री में प्रोडक्शन रोक दिया गया है। इसके साथ ही सप्लाई भी रोक दी गई है। बीकानेर की इस फैक्ट्री में रोजाना 800 टन का प्रोडक्शन होता है। इसमें से 150 टन से ज्यादा भुजिया का उत्पादन है। बाकी मिठाई, चिप्स, पापड़ और बैकरी के आइटम बनते हैं।

चंडीगढ़ में एक घंटे स्टैच्यू बन बैठा रहा युवक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में युवक एक घंटे तक रोड के किनारे एक ही तरह से बैठा रहा। युवक का सिर झुका हुआ था और शरीर में कोई हलचल नहीं थी। उसके हाथ में बीड़ी थी लेकिन वह उसे पी नहीं पा रहा था। लोगों ने उससे बात करने की भी कोशिश की लेकिन वह हिल तक नहीं पाया। इसे जॉम्बी ड्रग के असर से जोड़कर देखा जा रहा है। इस बारे में चंडीगढ़ पुलिस का कहना है कि युवक की पहचान कर एड्रेस निकलवाया जा रहा है। उसके बाद उससे पूछताछ करेंगे कि उसने ऐसा कौन सा नशा किया था। चंडीगढ़ में यह पहला मामला नहीं है बल्कि इससे पहले ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय और एक अन्य युवक की वीडियो भी सामने आ चुकी हैं, जिनमें वह एक घंटे तक बिना हिले-डुले खड़े रहे। इससे पहले लुधियाना और जालंधर में भी ऐसे 3 मामले सामने आ चुके हैं। चंडीगढ़ में पहला वीडियो 25 मार्च को सेक्टर 33B में ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय का सामने आया था। जो करीब ढाई घंटे तक सड़क पर बिल्कुल स्थिर और अचेत अवस्था में खड़ा रहा। यह वीडियो खूब वायरल हुआ तो सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इसे अमेरिका में मशहूर 'जॉम्बीड्रग' से जोड़ा। हालांकि चंडीगढ़ पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की। पुलिस ने शक जताया था कि यह किसी अन्य नशे या मेडिकल इमरजेंसी का मामला हो सकता है।

ट्रम्प ने आर्मी के बाद नौसेना चीफ को बर्खास्त किया

ईरान जंग के बीच परमाणु विभाग के साइंटिस्ट भी सस्पेंड, हनी ट्रैप में फंसे थे

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका में रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के भीतर लगातार बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को आर्मी चीफ रैंडी जॉर्ज को हटाया था। अब नौसेना प्रमुख जॉन फेलन को भी पद से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही परमाणु विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी एंड्रयू हग को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में सस्पेंड किया गया है, जो कथित तौर पर हनी ट्रैप में फंस गया था। ह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका, ईरान के साथ जंग में उलझा हुआ है। फारस की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना एक्टिव है। रक्षा मंत्री से तालमेल नहीं बना सके पेंटागन की तरफ से छोटा सा बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई, लेकिन हटाए जाने की स्पष्ट वजह नहीं बताई गई। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों से फेलन और पेंटागन के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार मतभेद

चल रहे थे। खासकर नौसेना के जहाज निर्माण कार्यक्रम, काम करने के तरीके और नेतृत्व को लेकर उनके और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच टकराव बढ़ता जा रहा था।

दरअसल, अमेरिका अपनी नौसेना को मजबूत करने के लिए नए युद्धपोत, पनडुब्बियां और सपोर्ट जहाज तेजी से बनाना चाहता है। इसके लिए बड़े स्तर पर शिपबिल्डिंग सुधार शुरू किए गए थे, जैसे नए जहाजों के डिजाइन को तेज करना, निर्माण प्रक्रिया को आधुनिक बनाना और प्राइवेट शिपयार्ड के साथ तालमेल बेहतर करना। इन योजनाओं में कई दिक्कतें आ रही थीं। जहाजों के बनने में देरी हो रही थी, कई प्रोजेक्ट तय समय से काफी पीछे चल रहे थे। लागत भी लगातार बढ़ रही थी, यानी बजट से ज्यादा खर्च हो रहा था। हेगसेथ का मानना था कि जरूरी सैन्य सुधारों को लागू करने में फेलन काफी धीमे हैं।

ट्रम्प से सीधे संपर्क करने से भी नाराजगी बढ़ी वहीं, फेलन का सीधे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संपर्क करना भी विवाद की वजह बना। दरअसल फेलन सीधे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संपर्क कर रहे थे, जबकि आम तौर पर ऐसा नहीं किया जाता। अमेरिकी सेना में एक तय कमांड चेन होती है। यानी फैसले और जानकारी नीचे से ऊपर एक तय क्रम में जाती है। जैसे नौसेना के अधिकारी पहले अपने सीनियर को रिपोर्ट करते हैं, फिर रक्षा मंत्रालय के जरिए बात राष्ट्रपति तक पहुंचती है। लेकिन आरोप था कि फेलन ने इस तय व्यवस्था को नजरअंदाज करते हुए सीधे राष्ट्रपति से बात की या अपने मुद्दे रखे। इससे हेगसेथ नाराज हो गए थे।

ट्रम्प ने भारत को नरक बताने वाली चिट्ठी शेयर की

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक पोस्ट को शेयर किया है, जिसमें भारत और चीन को हेल होल (नरक का द्वार) बताया गया है। यह चिट्ठी कट्टरपंथी अमेरिकी लेखक और रेडियो होस्ट माइकल सैवेज की है, जिसमें जन्म के आधार पर नागरिकता देने की आलोचना की गई है और भारत-चीन समेत कई देशों पर विवादित टिप्पणी की गई है। इसमें लिखा गया है कि प्रवासी जन्म के आधार पर अपने बच्चों को नागरिकता दिलाते हैं। फिर पूरा परिवार अमेरिका आ जाता है। इसमें बर्थराइट कानून की आलोचना करते हुए कहा गया है कि इसका फैसला अदालतों या वकीलों से नहीं, बल्कि देशव्यापी वोटिंग से होना चाहिए। इस चिट्ठी के साथ सैवेज का वीडियो भी टैग है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय की भी प्रतिक्रिया आई है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा- फिलहाल मैं बस इतना ही कहूंगा कि हमने इसे जुड़ी कुछ रिपोर्ट्स देखी हैं।

इस वीडियो को माइकल सैवेज ने 1 अप्रैल को अपने यूट्यूब चैनल

पर लाइव स्ट्रीम किया था। इसमें कही गई बातों को ट्रम्प ने 4 पन्नों में ट्रुथ सोशल पर शेयर किया है। इसमें सैवेज कहते हैं कि, "(अमेरिकी) संविधान तब लिखा गया जब लोग हवाई यात्रा भी नहीं करते थे। कहने की जरूरत नहीं है, टेलीविजन से पहले, इंटरनेट से पहले, रेडियो और हवा से पहले।" संविधान के कई तर्क अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। अब कुछ लोग गर्भावस्था के आखिरी समय में अमेरिका आकर बच्चे को जन्म देते हैं, जिससे बच्चे को तुरंत नागरिकता मिल जाती है। फिर उसी आधार पर वे अपने परिवार के बाकी लोगों को भी अमेरिका बुला लेते हैं। ऐसे उदाहरण अब आम हो गए हैं और इसके कारण अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है। अब प्रवासियों में देश के प्रति पहले जैसी भावना भी नहीं दिखती।

जयपुर में एक साल तक किराए पर रहा आतंकी

एजेंसी, जयपुर

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी उमर हारिस (अमजद) उर्फ खरगोश जयपुर के दिल्ली रोड स्थित जयसिंहपुरा खोर इलाके में करीब एक साल तक रहा। उसने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट भी बनवा लिया था। इसी पासपोर्ट से आतंकी इंडोनेशिया और फिर सऊदी अरब भागने में भी सफल रहा। राजस्थान एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की जांच में सामने आया कि उमर हारिस सड़वा मोड़ के पास राशिद विहार कॉलोनी में 'सज्जाद' नाम से रह रहा था। उसे यहां 1500 रुपए में किराए का कमरा हरियाणा के युवक ने दिलवाया था।

स्थानीय लोगों के अनुसार, वह दिन के करीब 16 घंटे लैपटॉप पर बिताता था। वह किसी से बात नहीं करता था। लोगों से उसका संपर्क न के बराबर था। वह केवल नमाज के लिए मस्जिद जाता और तुरंत लौट

◆ **सिर्फ नमाज के लिए बाहर निकलता था, हरियाणा के युवक ने दिलाया था कमरा**

आता था। उसकी इस चुप्पी और दूरी ने ही उसे एक साल तक पूरी तरह गुमनाम बनाए रखा। आसपास रहने वाले लोगों को भी उसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। आतंकी ने जानबूझकर ऐसी जगह किराए का कमरा लिया था, जहां आवाजाही कम हो। राशिद विहार कॉलोनी काफी अंदर की तरफ है। इसकी वजह से उधर कोई ज्यादा जाता-आता भी नहीं है।

ईरान बोला- ट्रम्प का सीजफायर एकतरफा अमेरिकी नाकेबंदी हटेगी तभी बात करेंगे

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह के सीजफायर से इनकार किया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर कालीबाफ ने कहा कि मौजूदा समय में सीजफायर तभी संभव है, जब नाकाबंदी हटाई जाए। ईरान और अमेरिका के बीच 22 अप्रैल को सीजफायर खत्म हो गया था। ट्रम्प ने इसके खत्म होने से पहले ही इसे एकतरफा तरीके से आगे बढ़ा दिया था। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर शुक्रवार तक अच्छी खबर आ सकती है। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने एक संदेश में यह बात कही। पाकिस्तानी अधिकारियों ने भी संकेत दिया है कि ईरान के साथ अगले 36 से 72 घंटों के भीतर

नई बातचीत शुरू हो सकती है।

हालांकि, ईरान का कहना है कि उसने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अमेरिका के साथ नए दौर की वार्ता में शामिल होगा या नहीं। वहीं, राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसके विरोधी धमकियों और आक्रामक कदमों के जरिए बातचीत को कमजोर कर रहे हैं।

तेल पर छूट बढ़ी: अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर लगी पाबंदियों में दी गई छूट को 30 दिन के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला करीब 10 देशों की मांग पर लिया गया है, जो तेल की कमी का सामना कर सकते हैं।

ट्रम्प का एकतरफा सीजफायर: अमेरिका ने पाकिस्तान

◆ **अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- कल तक अच्छी खबर आ सकती है**

की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाया गया। ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है।

ईरान का सीजफायर से इनकार: ईरान ने किसी भी तरह के सीजफायर से इनकार किया है। मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने कहा कि सीजफायर तभी संभव है जब नाकाबंदी हटाई जाए।

होर्मुज में जहाज जब्त: ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने होर्मुज स्ट्रेट में दो जहाजों को जब्त कर लिया और कहा कि इस रास्ते की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। इससे पहले इन पर गोलीबारी भी की गई।

उत्तराखंड में 300 मीटर खाई में गिरी पिकअप, 8 की मौत, हरिद्वार से अंतिम संस्कार करके लौट रहे थे

एजेंसी, टिहरी गढ़वाल

टिहरी गढ़वाल में 10 लोगों से भरी पिकअप खाई में गिर गई, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, इसकी पुष्टि टिहरी की डीएम नितिका खंडेलवाल ने की है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग हरिद्वार में एक परिजन के अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे। अचानक उनकी गाड़ी बेकाबू हुई और तकरीबन 300 मीटर(984 फीट) गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, SDRF और फायर सर्विस की टीमें तुरंत मौके के लिए रवाना हुईं। दुर्गम इलाके के बावजूद राहत-बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया और घायलों को खाई से रस्सियों के सहारे निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया।

सीएम धामी ने 'X' पर पोस्ट कर इस घटना को दुखद बताया है,

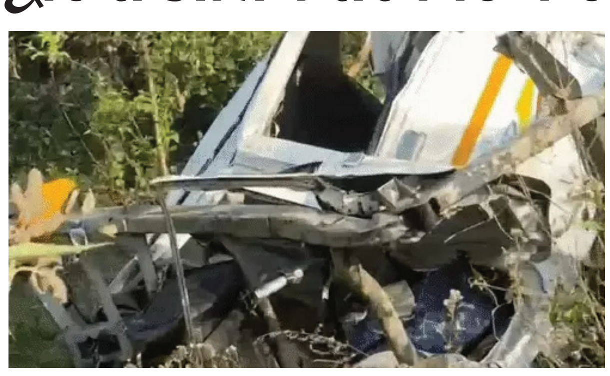

उन्होंने लिखा- जिला प्रशासन को घायलों के उचित उपचार हेतु निर्देश दिए हैं। बाबा केदार से घायलों के स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

शाम 4:15 बजे हुआ हादसा, अचानक बेकाबू हुआ वाहन: हादसा आज शाम करीब 4:15 बजे हुआ है, जब पिकअप वाहन चंबा-कोटी सड़क पर नैल के पास पहुंचा। इसी दौरान वाहन (UK09 TA1799) अचानक अनियंत्रित हो गया और देखते ही देखते गहरी खाई में जा गिरा। घायल हुए दो लोगों की पहचान अंकित(35) और उत्तम कुमार (30) के रूप में हुई है। उन्हें गंभीर हालत में खाई से निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो सकी है।

SDM बोले- सभी

◆ **एसडीआरएफ ने 2 लोगों को बचाया**

आसपास के गांव के रहने वाले: उपजिलाधिकारी अलकेश नौटियाल ने बताया कि ये सभी लोग सुबह करीब 6 बजे घर से निकले थे। वाहन में ड्राइवर सहित कुल 11 लोग सवार थे। हरिद्वार से वापसी के दौरान करीब 3 बजे इन लोगों ने रास्ते में खाना खाया। इसके बाद नैल गांव के पास अचानक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि सभी लोग घनसाली क्षेत्र के महल जामी पट्टी और आसपास के गांवों के रहने वाले हैं। एक घायल के हाथ में फ्रैक्चर है, जबकि दूसरा घायल अभी उपचाराधीन है। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है और प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद हैं।

सोनीपतः नकली जीएसटी टीम बनाकर करोड़ों ठगने की कोशिश

एजेंसी, सोनीपत

में खुद को जीएसटी विभाग का अधिकारी बताकर ठगी करने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोपियों ने तीस करोड़ रुपये के कथित घोटाले का डर दिखाकर एक व्यक्ति को निशाना बनाया, लेकिन वीडियो बनते ही मौके से फरार हो गए। घटना राठधाना रोड स्थित निराकार सेवा संस्थान के बाहर की है। बुधवार शाम एक कार में सवार तीन से चार युवक पहुंचे और विकास नाम के व्यक्ति की गाड़ी रुकवा ली। आरोपियों ने खुद को जीएसटी इंस्पेक्टर बताते हुए कागजात मांगे। सभी सामान्य कपड़ों और चप्पल में थे, जिससे शुरू में ही संदेह हो गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने जगह को संदिग्ध बताते हुए तीस करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले की बात कही और कार्रवाई की धमकी दी। उन्होंने दो हजार पच्चीस की एक कथित एफआईआर की कॉपी भी दिखाई, जो बाद में फर्जी निकली। आशंका है कि डर दिखाकर पैसे ऐंठने की योजना थी। स्थिति तब बदली जब नरेंद्र सिंह ने आरोपियों से पहचान पत्र मांगा और सीसीटीवी व मोबाइल से वीडियो बनानी शुरू कर दी। वीडियो बनते देख आरोपी घबरा गए और अपनी गाड़ी में बैठकर फरार हो गए। कार यूपी बत्तीस नंबर की बताई गई है।

पीड़ित पक्ष ने तुरंत एक सौ बारह नंबर पर कॉल कर सूचना दी, लेकिन पुलिस टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी। घटना की वीडियो सुरक्षित रखी गई है। पीड़ित ने बताया कि पहले भी इसी तरह की कोशिश की जानकारी मिली थी। यह घटना फर्जी अधिकारी बनकर ठगी करने वाले गिरोह की सक्रियता दिखाती है। पुलिस लोगों से अपील की है कि किसी भी अधिकारी की पहचान की पुष्टि जरूर करें।

ओम बिरला ने डीयू के महाराजा अग्रसेन कॉलेज में विद्यार्थियों को किया प्रेरित

एजेंसी, नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के महाराजा अग्रसेन कॉलेज के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत करने का आह्वान किया। बिरला ने छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कॉलेज की प्रेरणादायी विकास यात्रा और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आधुनिक शिक्षा का सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ने शोध और नवाचार को विकसित भारत की बौद्धिक शक्ति का आधार बताते हुए 'अब्दुल कलाम रिसर्च सेंटर' जैसे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने

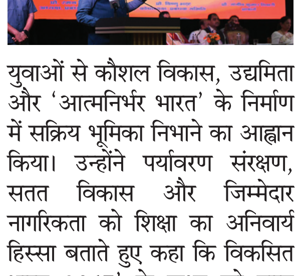

युवाओं से कौशल विकास, उद्यमिता और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और जिम्मेदार नागरिकता को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए कहा कि विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की निर्णायक भूमिका होगी। उन्होंने महाराजा अग्रसेन के जीवन को प्रेरणास्रोत बताते हुए उनकी लोककल्याणकारी शासन व्यवस्था को आदर्श बताया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व भारत के मजबूत संवैधानिक ढांचे की प्रेरणा है।

पाकिस्तान से मिले गैंग को ऑर्डर, हर अकाउंट पर कमीशन, साइबर ठग इंजीनियरिंग का स्टूडेंट

एजेंसी, कोटा

कोटा में साइबर ठगी नेटवर्क का पाकिस्तानी कनेक्शन भी मिला है। नेटवर्क का सरगना मोहम्मद अमजद पाकिस्तान हैंडलर से ऑर्डर ले रहा था। अमजद (21) इंजीनियरिंग स्टूडेंट है और करीब डेढ़ साल से ठगी नेटवर्क से जुड़ा है। जांच एजेंसियों के अनुसार अमजद के तीन साथी उसे बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाते थे। इसके लिए उन्हें कमीशन मिलता था। इन अकाउंट्स में ठगी का पैसा ट्रांसफर किया जाता था। दरअसल, कोटा के विज्ञान नगर थाने में 8 दिसंबर 2025 को 43 लाख 50 हजार की ठगी को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद से पुलिस मामले की जांच कर रही थी। पुलिस ने 16 अप्रैल को अमजद और उसके तीन साथियों को भोपाल से

पकड़ा था।

एमपी के सागर में बीटेक कर रहा है अमजद: साइबर थाना SHO सतीशचंद्र ने बताया- आरोपी पिछले तीन साल से भोपाल में रह रहा था। आरोपी मध्य प्रदेश के सागर जिले के प्राइवेट कॉलेज से बीटेक कर रहा है। उसने सबसे पहले आसपास रहने वाले और काम करने वाले मजदूरों को टारगेट किया। उनके बैंक अकाउंट का इस्तेमाल ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में किया गया।

कैसे चलता था पूरा खेल?: अमजद अपने तीन साथियों दीपक, राहुल व विजय के साथ पूरा नेटवर्क चला रहा था। हर मेंबर को एक अकाउंट उपलब्ध कराने के बदले 7 हजार रुपए देता था। आरोपी अकाउंट के साथ अकाउंट नंबर से जुड़ी सिम, एटीएम, बैंक पासबुक (पूरी किट) भी लेता था। फिर काम होने पर खाताधारक को लौटा देता। जांच टीम को ऐसे 50 से ज्यादा अकाउंट के बारे में पता लगा है। इनके जरिए ठगी की रकम यूपीआई व कैश डिपॉजिट से ट्रांसफर करवाई गई थी। इसके बाद अमजद और उसका पाकिस्तानी हैंडलर इन अकाउंट्स से पैसों को खुद के और दूसरे अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर कर लेते थे।

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा - 3 और 13 के आंकड़े क़ो अशुभ माना जाता है जबकि इन आंकड़ों क़ी कई सफलताओं की गाथाएं

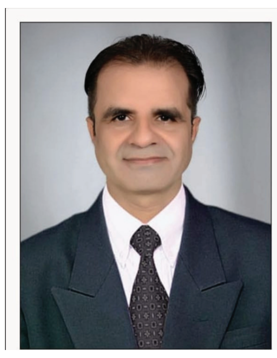

लोकतंत्र की शान

» वर्तमान आधुनिक प्रौद्योगिकी डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियों से दूर, सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है

» जीवन में हम जैसा सोचते हैं, वैसा हमारा मन हो जाता है, जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत मान्यताओं कहावतों, पुराणों पंक्तियों, धार्मिक गाथाओं बलि रीति रिवाजों अंकगणित के अंकों सहित अनेक सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर आदि अनादि काल से चलता आ रहा है। पौराणिक काल से ही भारत में यह प्रथाएं चलती आ रही है। परंतु हम कुछ दशकों से देख रहे हैं अनेक कुप्रथाओं और नकारात्मक सोच वाली कुछ गतिविधियों पर शासकीय स्तरपर कानून बनाकर, या कुछ प्रथाओं को सामाजिक व्यक्तिगत या घरेलू स्तर पर बंद करने की कोशिशें की गई है। परंतु अभी भी कुछ कुप्रथाओं या विपरीत नकारात्मक सोच शुरू है जिन्हें शासकीय या सामाजिक स्तरपर बंद नहीं किया जा सकता। परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं क्रि इन्हें केवल जनता जनार्दन ने जन जागरण अभियान चलाकर ही बंद किया जा सकता है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कहावत 3 और13 के आंकड़े की है, जिसे अशुभ माना जाता है हालांकि इन आंकड़ों के कई सफलताओं की गाथाओं में से सबसे अच्छा उदाहरण हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जीवन में 3 और 13 का महत्व है। उनकी राजनीत सफलताओं में 13 मई 1996 को पहली बार पीएम की शपथ लिए, 13 दिन बाद सरकार गिरी, दोबारा 13 महीने बाद पीएम बने, तीसरी बार पीएम बने तो 13 दिनों की साझा सरकार थी। 13 अप्रैल 1999 को शपथ ली तो पूरे 5 साल चली। 2004 के चुनाव में 13 अप्रैल को ही नामांकन भरा, इस प्रकार 13 का आंकड़ा उनके जीवन में साए की तरह चलता रहा। इन आंकड़ों के अनेक सफलताओं के भावों को देखा जा सकता है। इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ मन को सकारात्मक सोच नहीं ढालें। साथियों बात अगर हम तीन तिगड़ा काम बिगड़ा वाली कहावत की करें तो, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफलता की कुंजी है। हम 3 या 13 के आंकड़े से डरते हैं या उससे दूर भागने की कोशिश करते हैं, अशुभ मानते हैं परंतु हम अगर तीन के सकारात्मक दृष्टिकोण और अपने मन को सकारात्मक सोच में ढालें तो सफ़ लता की गाथाएं हमारे जीवन से जुड़ जाएगी। साथियों बात अगर हम 3 पर सकारात्मक सोच की करें तो,इसके पीछे की सच्चाई यह है कि कुछ लोग हमको अंधविश्वास में विश्वास दिलाना चाहते हैं जबकि ऐसा कुछ होता ही नहीं कोई संख्या किसी काम को निर्धारित नहीं करती ना ही उसके भविष्य को, अगर हमको लगता है कि 3 लोग किसी काम को मिलकर कर रहे हैं तो वह काम गड़बड़ हो जाएगा तो यह हमारी गलतफहमी है इसे दूर कर अंधविश्वासों से दूर रहें और सकारात्मक सोच वाले कुछ उदाहरणों को देखें। अखिल सृष्टि के देवता, तीनों देव ब्रह्मा, विष्णु और महेश की संयुक्त मूर्ति अधिकतर तस्वीरों में मिलती है। लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती भी तीन हैं ।शंकर जी भोले बाबा का तिलक तीन रेखाओं में और त्रिशूल भी तीन शूलों से बना होता है। जब भी हम मंदिर में जाते हैं, तो तीन परिक्रमा के लिए ही कहा जाता है। पूजा के बाद आरती भी तीन बार लेकर भक्त जन प्रफुल्लित हो जाते हैं।पूजन करते वक्त मुख शुद्धि के लिए तीन बार आचमन किया जाता है और तीन ईष्टदेव, कुलदेव और स्थानदेव का ध्यान किया जाता है। हमारी उंगलियों की तरफ ध्यान से देखें तो प्रत्येक उंगली के पोर में तीन रेखाएं होती हैं। खेल प्रतियोगिता में भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को ही घोषित किया जाता है। जल को भी तीन भागों में भी बांटा जाता है ठोस, द्रव और गैस। समय को भी तीन कालों में बांटा गया हैवर्तमान काल, भूतकाल और भविष्यकाल।सिगनल भी तीन होते हैं, लाल, पीला और हरा। घड़ी की सुईंया भी तीन होती हैं। हम गौर करें कि हम गाड़ी से सफर कर रहे होते हैं, वहां भी तीन स्लीपर बर्थ होती हैं-लोअर, मिडल और अपर। जब दौड़ शुरू की जाती है तो उसका प्रारंभ भी तीन गिन्ने के बाद शुरू होता है। हमारे देश में या और अन्य देशों में भी सेनाओं को तीन भागों में बांटा गया है जल सेना, थल सेना और वायु सेना। नदियों का संगम भी तीन नदियों से ही होता है । त्रिदेव का स्मरण करके अपने ईष्टदेव की पूजा करते समय तीन अगरबत्ती जलाने को शुभ माना जाता है। मौसम भी तीन होते हैं-सर्दी, गर्मी और बरसात । आज भी हम स्नेह मिलन तीन बार करते हैं। पूरे विश्व में त्रिगुनात्मक शक्ति सर्वोपरी मानी जाती है। मानव जीवन में भी मुख्य तीन अवस्थायें होती हैं बाल्यकाल, यौवन अवस्था और वृद्धावस्था। साथियों तीन का प्रभाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही दृष्टि से हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है । इसलिये हमें कभी भी नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिये क्योंकि हम जैसा सोचते हैं हमारे जीवन में वैसा ही होता है । हमारा मन सबसे सशक्त व शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास, आशा व सुंदर विचारों को रखना चाहिये । साथियों बात अगर हम 3 पर नकारात्मक सोच की करें तो, शंकर भगवान को विनाशकारी कहा जाता है क्योंकि उनके तीन नेत्र हैं।जब किसी व्यक्ति को गलत काम करने पर डांटा जाता है तो उसे थर्ड क्लास कहा जाता है। मुस्लिम धर्म में तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोलने पर तलाक हो जाता है, जिसपर अभी कानून बन गया है।पुलिस थर्ड डिग्री के आधार पर अपराधी से अपराध स्वीकार करवाती है जो अत्याधिक पीड़ादायक है। शरीर में स्वास्थ्य बिगडने की सबसे बड़ी समस्या वात, पित्त और कफ मानी जाती है।किसी भी घर में गणेश जी की तीन मूर्तियां रखना शुभ नहीं माना जाता है।तृतीय श्रेणी की नौकरी को अच्छा नहीं माना जाता है इसे सम्मानित दृष्टि से नहीं देखा जाता है। यहां लोग तीन तिगड़ा काम बिगाड़ा वाली सोच का संज्ञान लेते हैं जो एक नकारात्मक सोच है इसे बदलकर सकारात्मक सकारात्मक सोच में लाना चाहिए। साथियों एक से दस तक के अंको में तीन अंक खास है, हमारे जीवन में सम और विषम अंक दोनो ही काफी महत्व रखते हैं, कभी-कभी तीन अंक को लेकर सकारात्मक और नकारात्मक सोच पर अच्छी खासी बहस हो जाती है। जैसे तीन सदस्यों को एक साथ घर से शुभा् काम के लिए नहीं निकलना चाहिए। देखा जाए तो तीन अंक को काफी शुभ माना गया है। पूजन के बाद हम आचमन करते हैं, तो पंडित तीन बार हमारी अंजली में पवित्र जल प्रदान करते हैं। विचारों की माला तो विश्वास के फूलों से बनती है, यदि इसमें प्रेम रस भरा हो तो सारे जहां की खुशी मिलती है । अगर मन की धड़कती आवाज सुनने की आदत हो तो दिल की कही हर बात भली लगती है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तीन तिगड़ा काम बिगड़ा, आओ मन को सकारात्मक सोच में ढालें, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है। जीवन में हम जैसा सोचते हैं वैसा हमारा मन हो जाता है जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त, पश्चिमे तिथि, अष्टमी, शुक्रवार, पुण्य नक्षत्रे, घृण/शूल योगे, विवकरणे, कर्क की चंद्रमा, उत्पात योगे, भद्रा 16/19 मूल प्रारंभ रात्रि 11/58 से तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल- आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, बुद्धिमान, दार्शनिक, कम्प्यूटर इंजीनियर, प्रोफेसर, प्रिंसपल, धनी-मानी, ज्ञानी, उत्तम वृत्ति वाला, बैंक कर्मचारी, लिपिक, लेखापाल, अकाउंटेंट, कैशियर, कर्मचारी होगा।

मेष राशि :- यात्रा वृत्ति से लाभ, कुसंग से हानि, गृह कलह तथा मानसिक अशांति अवश्य ही बनेगी।

वृष राशि :- आर्थिक व्यय, स्वजन कष्ट, विवाद, अस्थिर व अशांति का वातावरण बना ही रहेगा।

मिथुन राशि :- शुभ कार्य, भूमि से हानि, कार्य सिद्धी, लॉटरी-सट्टा से हानि की संभावना बनी रहेगी।

कर्क राशि :- धन हानि, रोगभय, नौकरी में चिन्ता, राजकार्य, गृहकार्य में व्यवस्था बनी रहेगी।

सिंह राशि :- कार्य में निराशा, खेती से लाभ तथा शत्रु-भय, उद्योग-व्य वसाय से लाभ होगा।

कन्या राशि :- शरीर कष्ट, राजलाभ, व्यय-भार बढ़ेगा, दाम्पत्य जीवन असमंजसपूर्ण रहेगा, ध्यान रखें।

तुला राशि :- चोटाग्नि भय, धार्मिक कार्य कष्ट, व्यापार में उलझन की स्थिति बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि :- बाधा, आरोप, धन लाभ, यात्रा-कष्ट, गृहकार्य, राजकार्य में रुकावट की स्थिति बनेगी।

धनु राशि :- रोग-भय, मुकदमे में जीत, मानसिक परेशानी, अपवाद तथा व्यर्थ उलझन बढ़ेंगी।

मकर राशि :- व्यापार में लाभ, शत्रु-भय, धन सुख, कार्यों में सफलता का योग, रुके कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- कलह, व्यर्थ खर्च, सफलता प्राप्त होगी, सामाजिक कार्यों में सफलता तथा रुकावट का अनुभव होगा।

मीन राशि :- स्वजन सुख, पुत्र चिन्ता, धन-हानि, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी बन सकती है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन : ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

लेखक- सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-IX जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया। इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-O भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है।

न्यायपालिका बनाम विधायिका टकराव पर संवैधानिक प्रश्न

लेखक - सौरभ वार्ष्णेय

दिल्ली की राजनीति में हाल में उभरा जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विवाद एक बड़े संवैधानिक प्रश्न को जन्म देता है—क्या यह मामला सच में न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव है, या फिर यह संस्थाओं के बीच संतुलन और जवाबदेही की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है? यह विवाद तब चर्चा में आया जब अदालत की टिप्पणियों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने सार्वजनिक विमर्श को गर्मा दिया। अदालत ने शासन के कुछ निर्णयों और प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए, जबकि राजनीतिक पक्ष ने इसे न्यायिक दखल के रूप में देखा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम केजरीवाल विवाद को सीधे-सीधे न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव कहना अतिशयोक्ति होगी। यह लोकतंत्र के भीतर चल रही वह स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसमें संस्थाएँ एक-दूसरे पर नियंत्रण और संतुलन बनाए रखती हैं। असल चुनौती टकराव से बचना नहीं, बल्कि संवैधानिक संतुलन और गरिमा को बनाए रखना है—क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही है, जहाँ संस्थाएँ स्वतंत्र भी हों और जिम्मेदार भी। भारतीय संविधान में तीनों स्तंभ—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका—स्पष्ट रूप से अलग-अलग भूमिकाओं के साथ स्थापित किए गए हैं। न्यायपालिका का दायित्वः कानून की व्याख्या करना और यह सुनिश्चित करना कि सरकार संवैधानिक सीमाओं में काम करे। विधायिका का अधिकारः कानून बनाना और नीतियाँ तय करना। ऐसे में जब अदालत किसी सरकारी फैसले पर सवाल उठाती है, तो वह टकराव नहीं, बल्कि संवैधानिक जांच का हिस्सा होता है। आखिरकार विवाद की असली जड़ क्या है? इस प्रकरण में मूल मुद्दा सीमा-निर्धारण का है। यदि न्यायपालिका नीति निर्माण में गहराई से हस्तक्षेप करे, तो विधायिका को अतिक्रमण महसूस हो सकता है। वहीं, यदि सरकार न्यायिक आदेशों या टिप्पणियों को नजरअंदाज करे, तो यह कानून के शासन को कमजोर कर सकता है। यानी, समस्या टकराव की नहीं, बल्कि संतुलन बनाए रखने की है। लोकतंत्र के लिए क्या संकेत? यानी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह विवाद कुछ महत्वपूर्ण संकेत देता है। संस्थागत संवाद की आवश्यकताः टकराव की बजाय सहयोग और सम्मान जरूरी है। संवैधानिक मर्यादाः हर संस्था को अपनी सीमाओं का सम्मान करना होगा। ोकतांत्रिक परिपक्वताः सार्वजनिक बयानबाजी के बजाय कानूनी प्रक्रियाओं पर भरोसा बढ़ाना चाहिए।

जस्टिस पर की टिप्पणी—क्या यह उचित है? भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और राजनीति के बीच संतुलन बेहद संवेदनशील विषय है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस पर की गई टिप्पणी ने इसी संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा न्यायाधीशों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित है? पहली बात, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। एक राजनेता होने के नाते केजरीवाल को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है—इसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब टिप्पणी न्यायपालिका जैसे संवैधानिक संस्थान पर हो, तो शब्दों का चयन और मर्यादा दोनों अहम हो जाते हैं।दूसरी ओर, न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ मानी जाती है। यदि राजनीतिक नेता न्यायाधीशों के फैसलों या व्यक्तित्व पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाने लगें, तो इससे जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। यह स्थिति न्यायपालिका की निष्पक्षता पर अनावश्यक संदेह पैदा कर सकती है।हालांकि, यह भी सच है कि न्यायपालिका आलोचना से परे नहीं है। स्वस्थ लोकतंत्र में हर संस्था की समीक्षा होनी चाहिए। लेकिन यह समीक्षा तथ्यों, तर्क और संवैधानिक मर्यादा के दायरे में होनी चाहिए—न कि व्यक्तिगत या भावनात्मक आरोपों के रूप में।इस पूरे विवाद में मूल प्रश्न संतुलन का है—क्या आलोचना संस्थागत सुधार के लिए है, या राजनीतिक लाभ के लिए? अगर उद्देश्य सुधार है, तो भाषा और मंच दोनों संयमित होने चाहिए। केजरीवाल की टिप्पणी को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चश्मे से नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी के पैमाने पर भी परखा जाना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संस्थाएं एक-दूसरे का सम्मान करते हुए जवाबदेही निभाएं।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को केस से हटाने वाली याचिका खारिज-दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों द्वारा दायर उन अर्जियों को खारिज किया, जिनमें शराब नीति मामले की सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के हटने की मांग की गई थी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने टिप्पणी की कि सिर्फ इसलिए कि उनके बच्चे केंद्र सरकार के पैनल वकील हैं, यह नहीं माना जा सकता कि उनके मन में केजरीवाल के प्रति कोई पूर्वाग्रह है। जज ने आगे कहा कि किसी राजनेता को न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। किसी जज की क्षमता का फैसला हाईकोर्ट करता है, न कि कोई वादी। किसी राजनेता को अपनी सीमा पार करने और न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, हो सकता है कि कोई वादी हमेशा सफल न हो, और केवल हाईकोर्ट ही यह तय कर सकता है कि कोई फैसला गलत है या एकतरफा। जिला कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट सही ठहरा सकता है। यही बात हाईकोर्ट पर भी लागू होती है, जिसके फैसले को सुप्रीम कोर्ट देखता है। वादी की यह सामान्य आशंका कि शायद यह अदालत उसे राहत न दे, जज पर पूर्वाग्रह का आरोप लगाने का आधार नहीं बन सकती। जस्टिस शर्मा ने आगे कहा कि आरोपों का सामना होने पर कोई जज अपनी न्यायिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता। उन्होंने कहा, कोई जज किसी वादी के मन में पूर्वाग्रह को लेकर पैदा हुए बेबुनियाद शक को दूर करने या मनगढ़ंत आरोपों के आधार पर सुनवाई से खुद को अलग नहीं कर सकता... जज पर किए गए निजी हमले असल में पूरी संस्था पर किए गए हमले होते हैं... यह न केवल मुझ पर (जो कि एक जज हूं) हमला होगा, बल्कि पूरी संस्था पर भी हमला होगा। इस तरह का खतरा न केवल हाईकोर्टस् तक पहुंचेगा, बल्कि जिला कोर्ट तक भी जाएगा... अगर यह अदालत सुनवाई से हटने का फैसला सुनाकर यह संदेश देती है कि किसी वादी के दबाव में आकर वह ऐसा कर सकती है तो इससे जनता के मन में यह धारणा बन जाएगी कि जज किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम करते हैं... जज ने आगे कहा कि सुनवाई से हटने की अर्जियों में जो कहानी गढ़ी गई, वह पूरी तरह से अटकलों पर आधारित पाई गई। इसके अलावा, सुनवाई से हटने की अर्जी के साथ कोई सबूत पेश नहीं किया गया, बल्कि उसमें जज की ईमानदारी और निष्पक्षता पर आक्षेप, इशारे और संदेह ही व्यक्त किए गए।उन्होंने कहा, अगर मैं इन अर्जियों को मान लेती तो इससे एक परेशान करने वाली मिसाल कायम हो जाती। अब यह मेरा पक्का फ़ज़ऱ् बन जाता है कि मैं इसका बेखौफ़ होकर जवाब दूं। बदकिस्मती से आज मुझे दो मुक़दमेबाज़ों के बीच का झगड़ा नहीं, बल्कि एक मुक़दमेबाज़ और मेरे—एक जज—के बीच का झगड़ा सुलझाना है।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है।एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है। लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ? गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं," उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है। आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली। तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है। छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी। इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है। इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी। एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे।के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं। पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था। मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया। संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है। प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ छात्रों ने यह भी कहा कि उन्हें मानसिक दबाव और परेशान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक प्रोफेसर ने यहां तक कह दिया कि "अगर सुसाइड करना है तो कैंपस के बाहर करो।" इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है। इधर, बढ़ते विवाद के बीच एनआईटी प्रशासन ने 17 अप्रैल से 4 मई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं।

तीसरा मैच भी हारी भारतीय टीम, वोल्वार्ड्ट के शतक से अफ्रीका ने बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच टी20 मैचों की सीरीज के तीसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। बुधवार को खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एल वोल्वार्ड्ट के शतक की बदौलत मैच 9 विकेट से जीता। भारतीय टीम की

यह लगातार तीसरी हार थी। दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

भारत ने बनाए थे 192 रन

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम ने चार विकेट पर 192 रन बनाए थे। टीम इंडिया के लिए पारी की शुरुआत करने आई शैफाली वर्मा ने 64 रनों की पारी खेली। 46 गेंदों पर खेली गई पारी में वर्मा ने दो छ्क्के और आठ चौके लगाए थे। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 38 गेंदों पर तीन छक्कों और सात चौकों की मदद से 66 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना ने 25 गेंदों पर 37 और ऋचा घोष ने 10 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए।

वोल्वार्ड्ट का दमदार शतक

193 का लक्ष्य आसान नहीं था, लेकिन बेहतरीन फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीका की कप्तान वोल्वार्ड्ट ने अपने तीसरे टी20 शतक की बदौलत लक्ष्य को न सिर्फ आसान, बल्कि छोटा साबित कर दिया। पारी की शुरुआत करने आई वोल्वार्ड्ट 53 गेंदों पर पांच छक्कों और 14 चौकों की मदद से 115 रन बनाकर आउट हुईं। उनका विकेट 183 के स्कोर पर गिरा, तब तक वह टीम के लिए जीत की कहानी लिख चुकी थीं। वोल्वार्ड्ट का टी20 का यह सबसे बड़ा स्कोर है।

सुने लुस ने भी खेली तूफानी पारी

उनके साथ पारी की शुरुआत करने आई सुने लुस 42 गेंदों पर दो छक्कों और छह चौकों की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहीं। ताजमिन ब्रिट्स चार गेंदों पर दो रन बनाकर नाबाद रहीं। दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर मैच नौ विकेट से जीत लिया। वोल्वार्ड्ट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अभी नहीं, लेकिन फिर कोचिंग करूंगा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के महान टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने अपने रिटायरमेंट के बाद के कोचिंग अनुभव को लेकर खुलकर बात की है। मरे ने साफ किया कि वह भविष्य में फिर से कोचिंग करना चाहते हैं, लेकिन फिलहाल वह इस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं हैं।

मरे, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद कुछ समय के लिए नोवाक जोकोविच के साथ काम किया, ने इस अनुभव को सीखने वाला बताया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'जोकोविच ने शायद मुझसे कुछ नहीं सीखा, लेकिन मैंने बहुत कुछ सीखा। मैं दोबारा कोचिंग करना चाहूंगा, लेकिन अभी नहीं।'

मरे ने बताया कि एक खिलाड़ी से कोच बनने का सफर काफी अलग होता है। उन्होंने कहा कि जोकोविच के साथ काम करने के दौरान उन्हें उनके खेल और रोजमर्रा की तैयारी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा, 'मैं उनके खेल के बारे में पहले से काफी जानता था, क्योंकि वर्षों तक उनके खिलाफ खेला हूं। लेकिन कोच के तौर पर उनकी दिनचर्या को देखना एक अलग अनुभव था।'

एंडी मरे ने भविष्य की योजनाओं पर खोला दिल

कम्युनिकेशन है सबसे बड़ा हथियार

मरे ने यह भी स्वीकार किया कि कोचिंग में सबसे अहम चीज खिलाड़ी के साथ संवाद और समझ है। उन्होंने बताया कि एक पिता होने के नाते उनकी सोच में बदलाव आया है। उन्होंने कहा, 'कोचिंग में यह जरूरी है कि आप अपने खिलाड़ी को समझें और उसकी बात सुनें। मुझे लगता है कि बच्चों के साथ समय बिताने से मैं ज्यादा समझदार बना हूं।' मरे ने कहा कि जब आप खिलाड़ी होते हैं तो पूरी टीम आपके लिए काम करती है, लेकिन कोच के तौर पर आप टीम का एक छोटा हिस्सा होते हैं। उन्होंने समझाया, 'कोचिंग में आप टीम के साथ मिलकर काम करते हैं, जहां आपका मकसद एक खिलाड़ी को बेहतर बनाना होता है।' मरे ने नोवाक जोकोविच का समर्थन करते हुए कहा कि वह 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की क्षमता रखते हैं।अपने करियर को लेकर मरे ने कहा कि उन्होंने टेनिस सिर्फ नतीजों के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के लिए खेला। उन्होंने कहा, 'मैं चार-पांच साल पहले भी रिटायर हो सकता था, लेकिन मैंने खेलना जारी रखा क्योंकि मुझे टेनिस से प्यार था।'

बर्गर को आक्रामक जश्न मनाना पड़ा भारी, बीसीसीआई ने लगाया जुर्माना

लखनऊ एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर पर लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ बुधवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के कारण मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, साथ ही एक डिमेरिट दिया गया। बुधवार को मैच के दौरान, बर्गर आक्रामक इशारे करते हुए दिखे और एलएसजी के कप्तान पंत को शून्य पर आउट करने के बाद उनके लिए गाली-गलौज करते हुए देखे गए। आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के तेज गेंदबाज नंद्रे बर्गर पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और बुधवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के लिए एक डिमेरिट पॉइंट भी जमा किया गया है।'बयान में आगे कहा गया, 'नांद्रे बर्गर ने आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल एक का अपराध मान लिया है और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा भी मान ली है। कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल एक उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला आखिरी और मानने वाला होता है।' आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 मैच के दौरान किसी दूसरे खिलाड़ी का अपमान करने वाली भाषा, हरकतें या इशारे करने या उससे आक्रामक रिएक्शन भड़काने से जुड़ा है। आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार, चार डिमेरिट पॉइंट जमा होने पर एक सस्पेंशन पॉइंट बन जाता है, जिसके बाद उस लिमिट तक पहुंचने पर एक मैच का बैन लगता है। ये पॉइंट खिलाड़ी के रिकॉर्ड पर 36 महीने तक रहते हैं, इसलिए बर्गर को आगे सावधानी से कदम उठाने होंगे।

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए आरआर ने छह विकेट पर 159 रन बनाए थे। लखनऊ सुपर जायंट्स 18 ओवर में 119 रन पर सिमट गई और 40 रन से मैच हार गई। आरआर के लिए नांद्रे बर्गर ने चार ओवर में 27 रन देकर दो विकेट लिए। बर्गर ने पंत के अलावा मिशेल मार्श का भी विकेट लिया।

वैभव सूर्यवंशी पर फिदा एलन बॉर्डर, ब्रायन लारा से की तुलना

मुंबई। भारतीय क्रिकेट में एक नया सितारा तेजी से उभर रहा है। उस खिलाड़ी का नाम है वैभव सूर्यवंशी। महज 15 साल की उम्र में इस युवा बल्लेबाज ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से हर किसी को हैरान कर दिया है। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने इस भरोसे को शानदार प्रदर्शन से सही साबित किया।वैभव ने अपने डेब्यू मैच में पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर सबका ध्यान खींचा, लेकिन असली धमाका उन्होंने दूसरे मैच में किया, जहां उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक ठोक दिया। यह आईपीएल इतिहास में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक रहा। वैसे तो दुनिया भर के दिग्गजों ने इस युवा बल्लेबाज की तारीफ की है, लेकिन अब उन्हें तारीफ ऑस्ट्रेलिया के एक महान बल्लेबाज से मिली है।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एलन बॉर्डर भी इस युवा खिलाड़ी के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने वैभव की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे लगता है वैभव एक शानदार खिलाड़ी हैं, जबरदस्त टैलेंट है। मैंने 14-15 साल की उम्र में किसी बल्लेबाज को इतनी ताकत से गेंद मारते नहीं देखा।'बॉर्डर ने वैभव की तुलना वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा से भी की। उन्होंने कहा, 'मैं अभी यह नहीं कह सकता कि वह टेस्ट क्रिकेट में कितने सफल होंगे, लेकिन उनमें ब्रायन लारा की झलक साफ दिखाई देती है।

टीम से जल्द जुड़ेंगे स्टार्क, ऑस्ट्रेलिया ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने प्रतियोगी क्रिकेट खेलने की मंजूरी दे दी है। सीए से मंजूरी मिलने के बाद मिचेल स्टार्क आईपीएल 2026 के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हिस्सा बनने को तैयार हैं। कोहनी और कंधे की दिक्कतों की वजह से अब तक आईपीएल से बाहर रहे स्टार्क जल्द दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ सकते हैं। स्टार्क के एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दिल्ली के मैच में खेलने की संभावना है।

स्टार्क को कंधे और कोहनी की दिक्कत एशेज सीरीज के पांच टेस्ट और फिर बिग बैश लीग खेलने के दौरान हुई थी। स्टार्क ने एशेज सीरीज के सभी पांच टेस्ट खेले थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था।स्टार्क के आईपीएल से बाहर रहने की आलोचना सोशल मीडिया पर हो रही थी। इसको लेकर कुछ समय पहले उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपना पक्ष रखा था।स्टार्क ने लिखा था, 'भारतीय मीडिया में और उसके जरिए कुछ लोगों की राय और विचारों के बावजूद, मैं अभी अपने कंधे और कोहनी की चोट का रिहैब और प्रबंधन कर रहा हूं, जिसके बारे में मुझे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों के दौरान पता नहीं था कि वह कितनी गंभीर है।

व्यापार

8000 की नौकरी से 23000 करोड़ के साम्राज्य तक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी रिटेल ब्रोकरेज कंपनी जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ की सफलता की कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। जहां दुनिया मानती है कि बड़ी सफलता के लिए बड़ी डिग्री और एलीट एजुकेशन जरूरी है, वहीं निखिल कामथ ने 17 साल की उम्र में 10वीं छोड़ सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए। उनकी इस यात्रा के पीछे उनके माता-पिता की अनूठी परवरिश और कुछ लीक से हटकर नियमों का बड़ा हाथ रहा है। साल 1986 में कर्नाटक के एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे निखिल कामथ का मन कभी भी किताबों और क्लासवर्क में नहीं लगा। उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि उन्हें स्कूल से नफरत थी। लेकिन उनके माता-पिता ने उन्हें परंपरागत शिक्षा के लिए मजबूर करने के बजाय उनकी जिज्ञासा को पनपने का मौका दिया।

पहला बिजनेस और मां का कड़ा फैसला: निखिल कामथ की उद्यमिता की शुरुआत मात्र 14 साल की उम्र में हो गई थी। 9वीं कक्षा में उन्होंने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर पुराने मोबाइल फोन खरीदने और बेचने का काम शुरू किया। मुनाफा अच्छा हो रहा था, लेकिन जब उनकी मां को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने गुस्से में सारे फोन टॉयलेट में फ्लश कर दिए। इस घटना ने उनके उत्साह को खत्म नहीं किया, बल्कि उन्हें जोखिम लेने और असफलताओं से सीखने के लिए और अधिक प्रेरित किया।

8,000 रुपये की पहली नौकरी: निखिल कामथ ने अपने एक पॉडकास्ट में बताया है कि 2000 के दशक की शुरुआत में उन्होंने बेंगलुरु के एक कॉल सेंटर में अपनी पहली नौकरी शुरू की थी। उस समय उन्हें सालाना करीब 88,000 रुपये मिलते थे, यानी महीने के लगभग 7,000 से 8,000 रुपये के बीच। निखिल रात की शिफ्ट में काम करते थे। उनका मानना है कि इस मामूली नौकरी ने उन्हें अनुशासन और काम की समझ सिखाई, जो आगे चलकर जेरोधा जैसी बड़ी कंपनी खड़ी करने में उनके काम आई।

अब इथेनॉल से चलेंगे हवाई जहाज! सरकार ने एटीएफ में मिलावट की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अब विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल - ATF) में इथेनॉल और अन्य सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन मिलाने की इजाजत दे दी है। हालांकि, सरकार ने अभी इसके लिए कोई अनिवार्य समय-सीमा या तुरंत लागू होने वाला टारगेट तय नहीं किया है। इस कदम का मकसद प्रदूषण को कम करना और तेल के आयात पर भारत की निर्भरता को घटाना है। सरकार ने इसके लिए साल 2001 के 'एविएशन टर्बाइन फ्यूल (मार्केटिंग रेगुलेशन) ऑर्डर' में बदलाव किया है। यह बदलाव आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत किया गया है, जिससे अब ऋ़स्र की परिभाषा में सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन का मिश्रण भी शामिल हो गया है। फिलहाल, इस मिलावट को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। नए नियमों के मुताबिक, ATF को अब ऐसे मिश्रण के तौर पर परिभाषित किया गया है जो 1571 या 17081 मानकों पर खरा उतरता हो। इससे अब ईंधन के नए और आधुनिक विकल्पों को विमानों में इस्तेमाल करना मुमकिन हो पाएगा। पूरी दुनिया में, खासकर ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में अब सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल मिलाने पर जोर दिया जा रहा है। यह एसएएफ बेकार तेल, चर्बी, चीनी, अनाज, नगर निगम के कचरे, लकड़ी या खेती के अवशेषों से बनाया जाता है। इसे ही सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन भी कहते हैं। भारत ने लक्ष्य रखा है कि साल 2027 तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के ईंधन में 1 प्रतिशत एसएएफ मिलाया जाएगा। इसे 2028 तक बढ़ाकर 2 प्रतिशत और 2030 तक 5 प्रतिशत करने का टारगेट है। यह अंतरराष्ट्रीय संस्था के नियमों के मुताबिक है। हालांकि, देश के अंदर उड़ने वाली घरेलू फ्लाइट्स के लिए अभी ऐसा कोई टारगेट नहीं रखा गया है। एक ग्लोबल स्कीम है जिसका मकसद अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। यह 2021 से 2026 तक स्वैच्छिक है। लेकिन 2027 से 2035 तक ज्यादातर देशों के लिए इसे मानना अनिवार्य हो जाएगा। ईरान युद्ध के कारण हाल में कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया था। इससे एटीएफ की कीमत में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।

डिजिटल वॉलेट में 2 लाख तक रख सकेंगे बैलेंस

आरबीआई ने जारी किया पीपीआई के नियमों का ड्राफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स यानी डिजिटल वॉलेट और कार्ड्स के लिए नए नियमों का खाका तैयार किया है। इन प्रस्तावों में लेनदेन की सुरक्षा बढ़ाना और रिफंड, शिकायतों के निपटारे के लिए नियम बनाना शामिल है। इस पर 22 मई तक सुझाव मांगे गए हैं। एक ऐसा पेमेंट जरिया है जिसमें पैसे लोड किए जाते हैं और बाद में उन पैसों से खरीदारी या लेनदेन किया जाता है। इन्हें जनरल पर्पज गिफ्ट ट्रांजिट (सफर के लिए), के लिए और कुछ अन्य खास कामों के लिए इस्तेमाल होने वाले कैटिगरी में बांटा गया है। ड्राफ्ट के मुताबिक, कोई भी बैंक जिसे ने डेबिट कार्ड जारी करने की इजाजत दी है, वह के पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम विभाग को जानकारी देकर जारी कर सकता है। गैर-बैंकिंग कंपनियां भी से मंजूरी लेकर जारी कर सकती हैं। जनरल पर्पज (जैसे ई-वॉलेट) के लिए प्रस्ताव दिया है कि इसमें किसी भी समय 2 लाख रुपये से ज्यादा की रकम नहीं होनी चाहिए। साथ ही, कैश के जरिए इसमें महीने में सिर्फ 10,000 रुपये तक ही लोड किए जा सकेंगे।

क्या कहता है ड्राफ्ट

- डिजिटल वॉलेट और कार्ड्स के लिए नए नियमों का खाका तैयार किया है
- इसमें ट्रांजैक्शन की सुरक्षा, रिफंड और शिकायतों के निपटारे के लिए नियम बनाना शामिल है
- पहले पैसे लोड किए जाते हैं और बाद में उन पैसों से खरीदारी या लेनदेन किया जाता है
- पीपीआई को जनरल पर्पज, गिफ्ट, ट्रांजिट और ह्त्रऋ्र जैसी कई कैटगरी में बांटा गया है
- जनरल पर्पज में किसी भी समय 2 लाख रुपये से ज्यादा की रकम नहीं होनी चाहिए
- साथ ही कैश के जरिए इसमें महीने में सिर्फ 10,000 रुपये तक ही लोड किए जा सकेंगे.

बाजार को नहीं भाया बोनस शेयर और डिविडेंड का तोहफा, टाटा का दिग्गज शेयर धड़ाम

मुंबई, एजेंसी। मजबूत वित्तीय नतीजे, बोनस शेयर और डिविडेंड के तोहफे के बाद भी टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी ट्रेंट के शेयर गुरुवार को धड़ाम हो गए हैं। शेयर बाजार को कंपनी का परफॉर्मेंस और निवेशकों को दिया गया तोहफा रास नहीं आया है। ट्रेंट के शेयर गुरुवार को क्चस्श्व में करीब 4 पर्सेंट की गिरावट के साथ 4252.60 रुपये पर जा पहुंचे हैं। ट्रेंट ने बुधवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद अपने नतीजों, बोनस शेयर और डिविडेंड बांटने का ऐलान किया था। पिछले एक महीने में ट्रेंट के शेयरों में अच्छी रिकवरी हुई है और कंपनी के शेयर करीब 27 पर्सेंट उछल गए हैं।

ट्रेंट ने किया है पहली बार बोनस शेयर बांटने का ऐलान

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट ने बुधवार को अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने की घोषणा की है। कंपनी अपने निवेशकों को पहली बार बोनस शेयर का तोहफा दे रही है। ट्रेंट ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है। यानी, कंपनी हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर देगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट फिक्स नहीं की है।

10 टुकड़े में अपना शेयर बांट चुकी है कंपनी

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। ट्रेंट अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांट चुकी है। ट्रेंट ने सितंबर 2016 में 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है। ट्रेंट के शेयरों में पिछले 5 साल में करीब 450 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 6259 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का निचला स्तर 3276.10 रुपये है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)